डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

# गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 94 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 12 जनवरी 2024 | मूल्य 2 रुपया


## भारत का दुनिया के सबसे ताकतवर पासपोर्ट में बढ़ा कद

### शीर्ष पायदान पर 6 देश काबिज

**नई दिल्ली, 11 जनवरी।** दुनिया के सबसे ताकतवर पासपोर्ट वाले देशों की सूची जारी हो गई। इस बार शीर्ष पायदान पर एक नहीं बल्कि 6 देश काबिज हैं। ये देश अपने नागरिकों को 194 स्थानों पर वीजा फ्री एंट्री की ताकत रखते हैं। वहीं, इस लिस्ट में अब भारत का कद भी बढ़ा है। भारत 80वें स्थान पर पहुंच गया है। 2023 में भारत लिस्ट में 83वें स्थान पर था। लिस्ट में भारत के साथ 80वें स्थान पर उज्बेकिस्तान का नाम भी शामिल है। वहीं, लिस्ट में भारत का पड़ोसी पाकिस्तान शीर्ष 100 देशों में भी शामिल नहीं है। जबकि, ..... शेष पेज 4 पर

## बार-बार प्लान, बार-बार निरीक्षण...

# करोड़ों की जमीन पर गुमटियां और गंदगी

### निरीक्षण के पांच दिन बाद भी स्थिति जस की तस

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** बार-बार प्लानिंग और उसी प्लानिंग का निरीक्षण... यही किया जा रहा है यातायात और पार्किंग की समस्या को हल करने के लिए। बात कर रहे हैं गजा महाराज कॉम्प्लेक्स के पीछे की करोड़ो रूपए कीमती जमीन की। यहां पूर्व में पार्किंग व्यवस्था बनाने का प्लान तैयार किया था। प्लान धरातल पर नहीं उतरा। सम्राट मार्केट सहित उसी जगह पांच दिन पहले कलेक्टर-एसपी ने पहुंचकर निरीक्षण किया। पांच दिन बाद भी सम्राट मार्केट और करोड़ो की जमीन की स्थिति जस की तस है। गुमटी और गंदगी से जमीन पटी पड़ी है।

#### एक भी बैंक में नहीं पार्किंग व्यवस्था...

शहर में रेलवे स्टेशन रोड, महू-नीमच राजमार्ग, नई आबादी, मुखर्जी चौक, कालिदास मार्ग, बड़ा अस्पताल मार्ग सहित शहर के सभी मुख्य मार्गों पर लगभग 25 बैंक शाखाएं हैं। एक भी बैंक शाखा ने पार्किंग व्यवस्था नहीं की है। बैंकों के कर्मचारी और वहां आने वाले लोग अपने वाहनों को सड़कं पर ही खडे कर रहे हैं। इससे ट्रेफिक जाम होने के साथ ही इन मार्गों र्से आने-जाने वाले लोगों को परेशानी होती है। अस्पताल रोड, गांधी चौराहा, स्टेशन रोड, मुखर्जी चौक, कोतवाली के समीप की बैंकों के बाहर दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। लेकिन, यातायात पुलिस व प्रशासन ने कभी भी इस ओर ध्यान नहीं दिया है।

#### सालों पहले देखी भूमि, अब भी नहीं बन सके पार्किंग स्थल...

शहर के मुख्य बाजार घंटाघर, कालिदास मार्ग, सम्राट मार्ग, सदर बाजार, धानमंडी, कालाखेत गौतम नगर मेन रोड, दयामंदिर रोड, गोल चौराहा सहित अन्य मार्गों पर दुकानों के सामने बीच सड़क तक खड़े वाहनों से पूरी यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। पूर्व में नपा परिषद हाट मैदान के समीप भूमि और कालाखेत में प्रस्तावित मिनी स्टेडियम शॉपिंग कांप्लेक्स की दुकानों के समीप की भूमि का चयन कर पार्किंग स्थल की योजना कई बार बना चुकी है। नपा अधिकारियों व यातायात अमले ने इन स्थलों का कई बार निरीक्षण भी किया। व्यापारियों ने यहां पर वाहनों की सुरक्षा की चिंता जताई थी, जिसके बाद नपा ने शेड बनाने की बात कही थी। पर, योजना आज तक मूर्त रूप नहीं ले पाई है।

#### दबाव बढ़ते ही शुरू हो जाती है चालानी कार्रवाई...

पार्किंग स्थल नहीं होने से वाहन चालक अपने वाहन सड़क के किनारे ही खड़े कर रहे हैं। इससे सड़को पर जाम लगता है। दबाव बढ़ते ही यातायात का अमला सड़क किनारे खड़े वाहनों के चालान बनाने में जुट जाता है। वाहनों को जब्त कर चालानी राशि वसूली जाती है। लेकिन, समस्या के स्थायी समाधान के प्रयास नहीं हो रहे हैं।

#### निरीक्षण के बाद सफाई तक नहीं...

कलेक्टर-एसपी ने पांच दिन पहले नपाधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। यहां पार्किंग बनाने के प्लान पर भी गौर किया गया। हालांकि इस बार भी प्लान धरातल पर उतरता नहीं दिख रहा। पांच दिन बाद भी जमीन पर गुमटियों का साम्राज्य है। कई गुमटियां इस जमीन पर रखी हुई है। साफ सफाई व्यवस्था ठप होने से गंदगी का आलम पसरा हुआ है। जिससे यहां वाहन रखना संभव ही नहीं है। लोग अभी भी सम्राट मार्केट में वाहन अंदर ले जाया गया तो दुर्घटना की संभावना रहती है।

#### एक बोर्ड लगाकर बना दी पार्किंग...

कुछ समय पहले घंटाघर स्थित पुरानी सब्जी मंडी के आसपास के दुकानदारों ने नगर पालिका से सब्जी मंडी की खाली भूमि को पार्किंग स्थल बनाने का सुझाव दिया था। इस भूमि को भी नपा पार्किंग स्थल के लिए विकसित नहीं करा पा रही है। नगर पालिका ने पार्किंग स्थल निर्माण के लिए जो किया वह हास्यपद है। सम्राट मार्केट की तरफ से अंदर खाली भूमि पर जाने वाले मार्ग पर एक बोर्ड लगा दिया। यहां सीधी छोटी सी चढाव जैसी जमीन है, जो धूल और पत्थरों से भरी हुई है। अगर यहां से वाहन खड़े कर रहे हैं। जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है। इधर बेशकीमती जमीन का उपयोग पार्किंग के लिए भी नहीं हो पा रहा है। बड़ी योजना बनाना तो दूर की बात है।

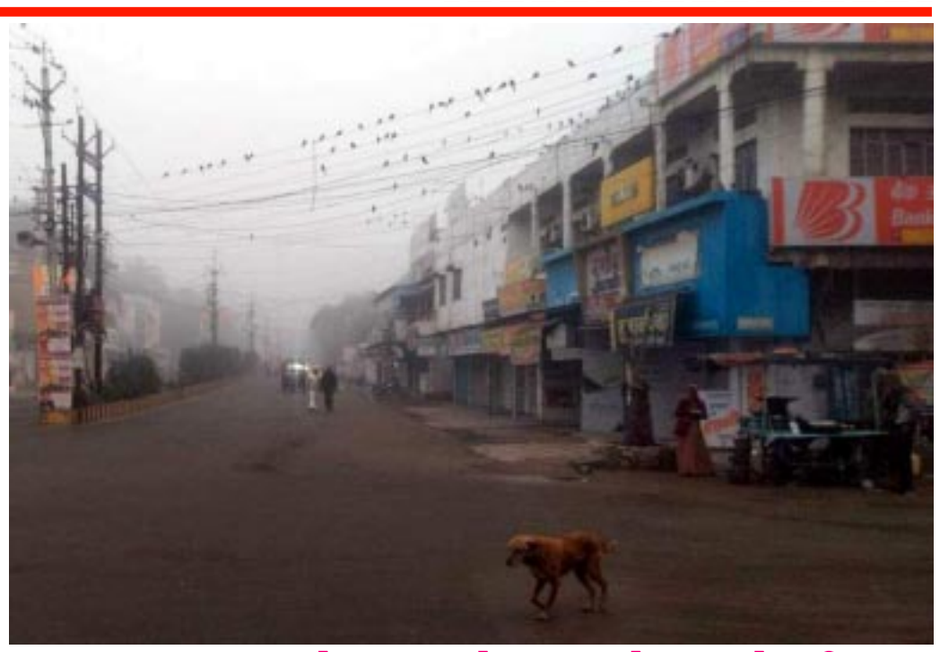

## सुबह-सुबह कोहरा, दोपहर से पहले ही धूप

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम बदला हुआ है। गुरुवार सुबह घने कोहरे का असर रहा, बुधवार रात 9 बजे से ही कोहरा छाने लगा। विजिबिलिटी 50 मीटर तक रही। लेकिन, गुरुवार सुबह 9 बजे धूप निकली। इसके बाद कोहरे से राहत मिली। मौसम सामान्य रहा। न्यूनतम तापमान 11 डिग्री और अधिकतम तापमान 20 डिग्री के आसपास बना रहा। सर्द हवाओं से ठंड का अहसास ज्यादा है। मौसम जानकारों के अनुसार वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होने से मौसम बदला रहा है एक दो दिन और मौसम ऐसा ही रहेगा, बारिश के आसार नही हैं। सीनियर मौसम वैज्ञानिक वेद प्रकाश सिंह के अनुसार मंगलवार रात तक हवा का रुख उत्तर दक्षिणी था। बुधवार को पश्चिमी और दक्षिणी हवा चलने लगी थी। इस वजह से भी ठंडक बढ़ी। जिन जिलों में बारिश हुई वहां से आई ठंडी हवा के कारण भी तापमान में गिरावट हुई।

## नौवीं व 11वीं की वार्षिक परीक्षा 6 मार्च से

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** सरकारी स्कूलों की नौवीं व 11वीं की वार्षिक परीक्षाएं छह मार्च से शुरू होंगी। परीक्षा का समय दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक रखा गया है। दोनों ही कक्षाओं की परीक्षा 6 मार्च से 23 मार्च तक होंगी। नौवीं का पहला पेपर हिंदी का होगा, वहीं 11वीं का पहला पेपर राजनीति का होगा। लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने परीक्षा के संबंध में दिशा-निर्देश और समय-सारिणी जारी कर दी है। विद्यार्थियों को परीक्षा कक्ष में दोपहर 1.30 बजे तक उपस्थित होना अनिवार्य है। निर्देशानुसार माध्यमवार उपलब्ध कराए जाने वाले प्रश्नोंकी सूची आदेश में संलग्न है। शेष प्रश्नपत्र जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) अपने निर्देशन में उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य के माध्यम से स्कूलों को उपलब्ध कराएंगे।

#### 6 से 23 मार्च तक ही प्रायोगिक परीक्षा भी...

दोनों कक्षाओं की प्रायोगिक परीक्षाएं और प्रोजेक्ट का मूल्यांकन कार्य 6 से 23 मार्च तक संपन्न करानी है। इसी तारीख के बीच प्राचार्यों को अपनी सुविधा अनुसार प्रायोगिक परीक्षा और प्रोजेक्ट कार्य संपन्न कराना है। नौवीं में प्रायोगिक विषयों में 75 अंक का पेपर और प्रैक्टिकल 25 अंक होगा। बाकी विषय में 80 अंक का पेपर व प्रोजेक्ट कार्य 20 अंक का होगा। 11वीं में प्रायोगिक विषय 70 अंक का पेपर और 30 अंक का प्रैक्टिकल होगा। सामान्य विषयों में 80 अंक का लिखित और 20 अंक का प्रोजेक्ट वर्क होगा।

#### लोक शिक्षण संचालनालय ने जारी किए निर्देश

## पहली बार जनवरी में बिक रहे पटाखे, दीयो की डिमांड काफी अधिक

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** अयोध्या में 22 जनवरी को होने जा रही रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शहर में जबरदस्त उत्साह दिखाई दे रहा है। शहर में एक बार फिर दिवाली उत्सव की तरह नजारा दिखाई देगा। मंदिरों और घरों में लाखों दीपक जलेंगे। जगह-जगह आतिशबाजी होगी, सुंदरकांड, रामचरित मानस पाठ होंगे। इसके अलावा जनवरी में पहली बार पटाखे बिकते हुए देखे जा रहे हैं। भगवान राम का स्वागत आतिशबाजी के साथ भी होगा। भगवा स्मोक युवाओं और बच्चों की पसंद बने हुए है। दिवाली के बाद शहर में मिट्टी के दीपकों की बिक्री कम हो जाती है। लेकिन, इस बार प्राण प्रतिष्ठा समारोह के चलते जनवरी में भी मिट्टी के दीयो की बिक्री बढ़ने लगी है। दीपक की दुकानें लगाने वाले लकी प्रजापति ने बताया कि दीपक की डिमांड आने लगी है।

**लाखो के पटाखों की बिक्री**–पहली बार जनवरी माह में ... शेष पेज 4 पर

## पोस्ता व्यापारी विक्रम अजमेरा के गोदाम पर सीबीएन की दबिश, दिनभर चली जांच

### कार्रवाई से पोस्ता व्यापारियों में मचा हड़कंप, जांच के बाद सीबीएन कर सकती है बड़ा खुलासा

**नीमच, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** कृषि उपज मंडी नीमच में गुरुवार को पोस्ता व्यापारियों में अचानक हडकंप मच गया। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) के करीब 25 सदस्यीय टीम ने नीमच के बडे पोस्ता व्यापारी विक्रम अजमेरा के ठिकानों पर दबिश दी। जहां सुबह 11 से शाम 6 बजे तक टीम दस्तावेजों की जांच के साथ पोस्ता दाना से निकले काला दाना व धुलापाली की छानबीन कर रही थी। करीब 1 साल पहले सीबीएन ने नीमच के दो बडे पोस्ता व्यापारी सुबोध भंसाली और शैलेंद्र गर्ग के यहां छापामार कार्रवाई की थी। जहां से बडी मात्रा में काला दाना व धूलापाली मिलने का मामला उजागर हुआ था। अब फिर एक और बडे व्यापारी के यहां सीबीएन की कार्रवाई से पोस्ता व्यापारियों में हडकंप देखा जा रहा है।

केंद्रीय नारकोटिक्स विभाग की टीमें 4- 5 गाडियों में सवार होकर बघाना के नाका नंबर 4 के पास पोस्ता व्यापारी विक्रम अजमेरा की फर्म एसके इंटरप्राइजेस के गोदाम पर दबिश देने पहुं ची। जहां टीम के सदस्यों ने पोस्ता से भरी बोरियों की जांच करने के साथ यहां लगी मशीनों को देखा। जिससे पोस्ता की छनाई कर कालादाना व धुलापाली को अलग किया जाता है। टीम ने यहां मिले पोस्ता स्टाक का मिलान शुरु किया। सूत्र बता रहे हैं कि मंडी में विक्रम अजमेरा द्वारा हल्की क्वालिटी का पोस्ता भी खरीदा जाता था। सीबीएन को लंबे समय से मिल रही शिकायत पर मुखबिर तंत्र को मजबूत किया। इसके बाद पुख्ता जानकारी मिलने पर गुरुवार को अचानक दबिश दी गई।

#### बाबू सिंधी के यहां कार्रवाई के बाद से रडार पर था विक्रम...

करीब ढाई साल पहले सीबीएन ने औद्योगिक क्षेत्र स्थित कुख्यात तस्कर बाबू सिंधी के गोदाम पर दबिश देकर बडी मात्रा में काला दाना सहित अन्य मादक पदार्थ जप्त किया था। उसके बाद से सीबीएन पोस्ता व्यापारियों पर नजर रखे हुए थी। विक्रम भी सीबीएन की रडार पर था और आखिरकार गुरुवार को सीबीएन ने एसके एंटरप्राइजेज के बडे गोदाम पर दबिश डाल दी।

#### भंसाली व गर्ग के यहां भी हुई थी कार्रवाई...

उल्लेखनीय है कि सीबीएन ने करीब एक साल पहले बाबू सिंधी के करीबी व पोस्ता व्यापारी सुबोध भंसाली व शैलेन्द्र गर्ग की फर्म के गोदामों पर दबिश दी थी। जहां से काला दाना व धुलापाली बरामद का सीबीएन ने खुलासा किया था। दोनों व्यापारी के खिलाफ कार्रवाई की थी। इसके बाद अन्य पोस्ता व्यापारियों ने मंडी में पोस्ता खरीदी बंद कर दी थी। करीब 6 माह पोस्ता की खरीदी नहीं हुई थी।

#### जीएसटी व टेक्स चोरी की भी आशंका...

सीबीएन की टीम द्वारा एसके इंटरप्राइजेस पर दबिश दी गई। जहां से काला दाना व धुलापाली मिलने की आशंका है। गोदाम में मिले पोस्ता स्टाक का मिलान किया जा रहा है। इसमें कितना माल एक नंबर व कितना माल दो नंबर में खरीदा है। यदि दो नंबर में खरीदे माल का स्टाक से मिलान नहीं होता है तो जीएसटी व मंडी टैक्स चोरी का मामला भी सामने आ सकता है। यह खुलासा भी सीबीएन की जांच पूरी होने के बाद ही होगा। सीबीएन के अधिकारी अभी कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं है। संभवत: आज शुक्रवार को सीबीएन मामले में खुलासा कर सकती है।

# राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार ने मामा की घोषणाओं पर क्या गलत व्याख्या कर डाली..!

**मंदसौर/उज्जैन, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मंत्रिमंडल के सदस्य राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार ने सार्वजनिक रूप से यह कहकर भाजपा की अंदरूनी राजनीति को गर्मा दिया कि पूर्व मुख्यमंत्री बस घोषणाएं करते थे, करते कुछ नहीं थे। तभी तो अब यह हाल है उनके। विपक्षी दल कांग्रेस ने इसे हाथों-हाथ उठा लिया और सोश्यल साईट एक्स से लेकर समाचार पत्रों, वीडियो चैनलों में हमले शुरू कर दिए कि भाजपा के भीतर सब ठीक नहीं चल रहा है। दिलीप अहिरवार सतर्क हुए और अपना ही बयान घुमाया कि मैंने कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के कार्यकाल के लिए कहा था। पर, बात यहां तब भी नहीं रुकी। क्योंकि, कांग्रेस नेता पीयूष बवेले ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की बड़ा मलहरा क्षेत्र को गोद लेने वाले आदेश पत्र की प्रति को सार्वजनिक कर दिया।

इधर बुरे फंसे मंत्री दिलीप अहिरवार मामा के घर माफी प्रयोजन के लिए भी पहुंचे तो इस खबर को मीडिया ने जोरदार तरीके से लपका। कुल मिलाकर खबर का लब्बोलूआब ये है कि वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह भले ही स्वयं को एक दिखाएं और चिपक कर साथ फोटो भी खिंचवाए, बीच में धागे जैसी दरार तो नजर आएगी ही। दरअसल दिलीप अहिरवार ने सार्वजनिक समूह में बौद्धिक करने वालों को विषय दे डाला की मामा शिवराज की घोषणाओं और उनके अमल पर तार्किक बहस कर क्रियान्वयन को तलाशा जाए कि कुछ होता भी था ! या दिलीप अहिरवार ने जोश में नहीं होश में सच ही कहा है।

चन्द्रमोहन भगत

अधिकारी को सरकार के मंत्रियों के अधीन रह 30 साल नौकरी करना होती है। इसलिए वह किसी घोषणा, दावा, कार्रवाई पर अमल जैसे क्रियान्वन पर कभी बोलते नहीं है। इसके शिवराजा कार्यकाल के अनेक उदाहरण हैं।

वर्तमान में संशय इसलिए उपज रहा है कि सरकार पहले अपने कर्मचारियों का वेतन देवे, आवश्यक योजनाओं पर खर्च करें या लाडली बहनाओ के खाते में राशि पहुंचाएं, प्राथमिकता तय करना पड़ रही है। ऐसे ही महिलाओं को 450 रुपए में गैस सिलेंडर देना, जबकि यह सार्वजनिक रिकॉर्ड है कि प्रदेश के सवा करोड़ में से अधिक से अधिक 20 से 22 लाख कनेक्शन महिलाओं के नाम पर है। तब ऐसी घोषण में लाभ भी मात्र महिला नामधारी कनेक्शन वालों को ही मिलना है। फिर शिवराज के ही राजस्व विभाग का जारी किया हुआ वीडियो की 2014 से पहले जो जहां रह रहे हैं, उसे वहीं का पट्टा देकर प्रदेश के एक भी नागरिक को बेघर बेछत नहीं रहने दूंगा। पट्टा देना तो दूर 70 से 100 सालों से रह रहे लोगों की बस्तियां भी उजाड़ कर भूमि माफियाओ को लाभ पहुंचाया।

चुनाव के साल भर पहले से जिलों, संभागों के बड़े-बड़े आयोजनों में भूमिहीनों को एक-एक लाख पट्टे बांटने की घोषणा कर डाली। किन्तु, कहां-कहां, किन हितग्राहियों को दिए गए हैं। सरकार आज भी उसे बताने की स्थिति में नहीं है। लाखों की जगह 50-100 पट्टे भी बांटे है तो सार्वजनिक कर वह श्रेय क्यों नहीं लूट रहे हैं। उज्जैन की विनोद मिल बस्ती वालों को बेघर करना प्रमाणित उदाहरण है ! मामा जो सार्वजनिक कहते थे, वह कभी नहीं करते थे। इसके उलट डॉक्टर मोहन यादव ने मुख्यमंत्री बनने के एक माह के भीतर ही इंदौर की हुकुमचंद मिल के मजदूरों की बकाया राशि आवंटन की घोषणा, पटवारी की कर्तव्य स्थल पर उपस्थिति, अधिकारियों की दंभी भाषा, सार्वजनिक स्थान पर मांसाहार विक्रय, वाहन दुर्घटना पर तत्काल दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई जैसी घोषणा की बजाय अमल कर कुशल नेतृत्व का उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस तरह घोषणाओं पर अमल और प्रशासनिक कार्य प्रणाली की गुणात्मक समीक्षा की जाए तो दिलीप अहीरवार ने गलत क्या कह दिया है! यह सार्वजनिक और राजनीतिक सतही नुक्कड़ बहस का विषय बन गया है।

# विचार-मंथन

## सुको की गुजरात सरकार को कड़ी फटकार

बिलकिस बानो मामले में सर्वोच्च न्यायालय का फैसला गुजरात सरकार के पक्षपातपूर्ण व्यवहार पर कठोर प्रहार है। अदालत ने दोषियों को दो हफ्ते के भीतर समर्पण करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही अदालत को गुमराह करने और हक हड़पने को लेकर गुजरात सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। पिछले साल पंद्रह अगस्त को गुजरात सरकार ने बिलकिस बानो से सामूहिक बलात्कार करने वाले ग्यारह दोषियों की उम्र कैद की सजा माफ कर दी थी। तब इसे लेकर खासा रोष देखा गया था। उस फैसले को रद्द करने की सर्वोच्च न्यायालय में अपील की गई थी। तब अदालत ने राज्य सरकार से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा, मगर उसने उस फैसले को उचित ठहराया था। इस संबंध में केंद्र सरकार ने भी उसका समर्थन किया था। फिर बिलकिस बानो की अपील पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने पाया कि दोषियों की सजा माफी का अधिकार गुजरात सरकार के पास था ही नहीं। चूंकि इस मामले की पूरी सुनवाई महाराष्ट्र में हुई थी, इसलिए इसका फैसला वही कर सकती थी। मगर गुजरात सरकार ने अदालत के सामने गलत तथ्य पेश कर वह हक हड़प लिया। बिलकिस मामले में गुजरात सरकार का रुख शुरू से ही पक्षपातपूर्ण देखा गया था। जब दोषी जेल में थे, तब भी उन्हें लंबे-लंबे समय के लिए पैरोल पर बाहर आने की इजाजत दी गई। यह ठीक है कि राज्य सरकारों को कुछ मामलों में दोषियों की सजा माफ करने का अधिकार है, मगर इससे उनके विवेक की भी परीक्षा होती है कि वे किस प्रकृति के मामले में अपने विशेष अधिकार का उपयोग कर रही हैं। बिलकिस का मामला सामान्य अपराध नहीं था। गुजरात दंगों के समय ग्यारह लोगों ने उससे बलात्कार किया। उस समय उसके गर्भ में पांच महीने का बच्चा था। फिर उसके सामने ही उसके परिवार के सात लोगों की हत्या कर दी गई, जिनमें उसकी तीन साल की बेटी भी थी। समझना मुश्किल नहीं है कि उस घटना का बिलकिस के मन पर क्या असर पड़ा होगा। किस पीड़ा, त्रास और भयावह स्थितियों से उसने अपने आप को उबारने की कोशिश की होगी। ऐसी बर्बर घटना के दोषियों की सजा माफ करने पर विचार करते हुए राज्य सरकार से विवेकपूर्ण व्यवहार की अपेक्षा की जाती थी। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा भी है कि अधिकार केवल दोषियों के नहीं होते, पीड़िता के भी होते हैं। समझना मुश्किल है कि राज्य सरकार को दोषियों की कथित पीड़ा तो समझ में आई, मगर बिलकिस का दर्द क्यों महसूस नहीं हुआ। गुजरात सरकार के इस फैसले की कई दृष्टियों से आलोचना हुई थी। इसके पीछे राजनीतिक मकसद भी देखे गए थे, जो दोषियों के रिहा होते ही दिखाई भी दिए। दोषियों का माला पहना कर स्वागत किया गया, मानो वे किसी जघन्य अपराध के दोषी नहीं, बल्कि उन्होंने कोई वीरोचित कार्य किया हो। इस तरह उनकी सजा माफ कर न सिर्फ उन्हें निर्दोष साबित करने, बल्कि समाज में उनका महिमामंडन करने का भी प्रयास हुआ था। ऐसे बलात्कार और हत्या करने, सामाजिक विद्वेष फैलाने वालों की सजा माफी और स्वागत किसी भी सभ्य समाज की निशानी नहीं मानी जा सकती। इससे समाज में गलत संदेश जाता है। ऐसे आपराधिक वृत्ति के लोगों को उकसावा मिलता है। गुजरात सरकार के फैसले पर सर्वोच्च न्यायालय की नाराजगी स्वाभाविक है। आखिर इस तरह के पक्षपातपूर्ण फैसले करने वाली सरकार को कल्याणकारी और महिलाओं की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध कैसे माना जा सकता है!

## भाजपा रास सांसदों को भी लड़ा सकती है लोस चुनाव

**समीर चौगांवकर**

लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी भारतीय जनता पार्टी 2024 के लोकसभा चुनाव में मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में अपनाए गए मॉडल को लागू करेगी। जिस तरह विधानसभा चुनाव में लोकसभा सांसदों को मैदान में उतार दिया था, उसी तर्ज पर कई बड़े नेताओं और मंत्रियों को जो राज्यसभा से सांसद हैं, उनको लोकसभा चुनाव लड़वाया जाएगा। दरअसल 2019 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा ने यह प्रयोग समिति स्तर पर किया था। इस बार 2024 के लोकसभा चुनाव में व्यापक स्तर पर इसका प्रयोग करना चाहती है। भारतीय जनता पार्टी को लग रहा है कि मोदी की लोकप्रियता अपने चरम पर है और संगठन भी जमीनी स्तर पर मजबूत है, ऐसे में मोदी सरकार के मंत्री जो राज्यसभा से हैं, उनको लोकसभा चुनाव में उतार कर जीत हासिल की जा सकती है। मोदी और शाह भी चाहते हैं कि केन्द्रीय मंत्रियों की पहचान अब बन चुकी है, ऐसे में उनको लोकसभा चुनाव लड़ने का साहस करना चाहिए इससे उनकी खाली सीटों पर किसी अन्य को राज्यसभा भेजा जा सकेगा। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा खुद राज्यसभा से हैं। ऐसे में उनके सामने भी चुनाव लड़ने की चुनौती होगी। हालांकि खुद जेपी नड्डा इस बात से इंकार कर रहे हैं लेकिन समझा जाता है कि प्रधानमंत्री मोदी नड्डा से हिमाचल की किसी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए कह सकते हैं। अगर भाजपा के अध्यक्ष लोकसभा का चुनाव लड़ते हैं तो पार्टी के अन्य राज्यसभा सांसदों को भी चुनाव लड़ने का नैतिक आधार बनेगा। फिलहाल मोदी सरकार में 18 मंत्री राज्यसभा से हैं। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री और राज्यसभा सांसद धर्मेन्द्र प्रधान ने लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की है। धर्मेन्द्र प्रधान 2004 में उड़ीसा की देवगढ़ सीट से लोकसभा सांसद रह चुके हैं। इस सीट का परिसीमन होने के बाद इसे दो सीटों ढ़ेंकानाल और संबलपुर में बांट दिया गया। इन दोनों सीटों में से किसी एक सीट से धर्मेंद्र प्रधान लोकसभा के उम्मीदवार हो सकते हैं। मोदी और शाह के गृह राज्य गुजरात से भी मोदी के दो केन्द्रीय मंत्रियों के लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावना है। केन्द्रीय स्वास्थ्य और उर्वरक मंत्री मनसुख मंडाविया को सौराष्ट्र से आने वाली राजकोट से लोकसभा चुनाव लड़ाया जा सकता है। सौराष्ट्र के अलावा मनसुख भाई मंडाविया के गृह क्षेत्र की सीट भावनगर से भी उम्मीदवार बनाने की चर्चा है। केन्द्रीय पशुपालन मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला को गुजरात की अमरेली से भाजपा उम्मीदवार बना सकती है। राजस्थान से भी राज्यसभा से आने वाले दो केन्द्रीय मंत्रियों को भाजपा चुनाव मैदान में उतार सकती है। केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ओडिसा कैडर के आईएएस अधिकारी रहे हैं और राज्यसभा में भी उड़ीसा से ही हैं, लेकिन उनका गृह राज्य राजस्थान है। अश्विनी



वैष्णव जयपुर से लोकसभा लड़ सकते हैं, लेकिन यह भी हो सकता है कि भाजपा हाईकमान अश्विनी वैष्णव को उड़ीसा की ही किसी सीट से मैदान में उतार दे। राजस्थान से राज्यसभा सांसद और केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव को भी राजस्थान की अलवर सीट से लड़ाया जा सकता है। अलवर सीट से सांसद बाबा बालकनाथ विधायक बन चुके हैं। ऐसे में भूपेन्द्र यादव के अलवर सीट से लड़ने की प्रबल संभावना है। भूपेन्द्र यादव दिल्ली से सटी सीट गुरुग्राम से भी लड़ सकते हैं। मोदी कैबिनेट में वित्त मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रही निर्मला सीतारामन को तमिलनाडु की मदुरै सीट से उतारा जा सकता है। खबर है कि निर्मला सीतारामन को उनकी पंसदीदा सीट बताने के लिए कहा गया है। तमिलनाडु से मोदी सरकार के विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी पार्टी चुनाव पार्टी लड़वा सकती है। जयशंकर के माता पिता जरूर तमिलनाडु से है लेकिन उनका जन्म दिल्ली में और पढ़ाई भी दिल्ली में हुई है। उल्लेखनीय है कि 2023 में मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने पर भाजपा ने जो महाजनसंपर्क अभियान चलाया, उसमें जयशंकर को दिल्ली की चार लोकसभा सीटों की जिम्मेदारी दी गई थी। ऐसे में संभावना है कि पार्टी विदेश मंत्री जयशंकर को दिल्ली की किसी सीट से मैदान में उतारे। संभावना है कि मीनाक्षी लेखी की सीट से भी जयशंकर को टिकट दिया जा सकता है। मोदी सरकार के एक और मंत्री पीयूष गोयल के भी लोकसभा चुनाव लड़ने की पूरी संभावना है। 2010 से पीयूष गोयल लगातार राज्यसभा सांसद और 2014 से लगातार मोदी सरकार में मंत्री है। पीयूष गोयल को पुणे लोकसभा सीट से उतारा जा सकता है। पिछले पांच लोकसभा चुनाव की बात करें तो तीन चुनाव में भाजपा यहां से जीत रही है। भाजपा ऐसे राज्यसभा सांसदों को भी लोकसभा चुनाव लड़ा सकती है जो मंत्री नहीं है लेकिन लोकसभा चुनाव लड़ने को उत्सुक है। इन राज्यसभा सांसदों में भाजपा के मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी उत्तराखंड से, पूर्व लोकसभा सांसद और वर्तमान में राज्यसभा सांसद सरोज पांडे और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी शामिल हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में भी कुल 11 राज्यसभा के सांसदों ने लोकसभा का चुनाव लड़ा था जिनमें से सात को हार का सामना करना पड़ा। तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष अमित शाह गांधीनगर से, केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी अमेठी से, केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद पटना साहिब से जीते थे। वहीं पूर्व नौकरशाह और मोदी सरकार में राज्य मंत्री रहे हरदीप पुरी अमृतसर से हार गए थे और मोदी सरकार के एक और मंत्री केजे अल्फांस एर्नाकुलम सीट से तीसरे नंबर पर रहे थे। भाजपा को लग रहा है कि अगर उसे 2019 में मिली 303 से अधिक सीटें जीतनी है तो विपक्ष की मजबूत सीटों पर भी दमदार उम्मीदवार खड़े करने होंगे। पार्टी का आकलन है कि जिन सीटों से केन्द्रीय मंत्री लड़ते हैं उसके आसपास की सीटों पर भी उसका असर पड़ता है। भाजपा के एक राष्ट्रीय नेता का कहना है कि जब विपक्ष हर एक सीट पर एक साझा उम्मीदवार देने की तैयारी कर रहा हो तो ऐसे में अगर भाजपा केन्द में मंत्री रहे राज्यसभा सांसद चुनाव मैदान में उतरते हैं तो इन विपक्षी नेताओं को उनकी सीटों पर चुनौती देने के मामले में भाजपा बेहतर स्थिति मे रहेगी।

## नीतीश को किनारे कर कांग्रेस ने संभाल ली कमान!

**अजय सेतिया**

नीतीश कुमार शुरू से कहते रहे थे कि भाजपा को हराना है, तो कांग्रेस को साथ लिए बिना कोई गठबंधन नहीं बन सकता। कांग्रेस के जमीन पर उतरने से नीतीश कुमार को उन क्षेत्रीय दलों को मनाने में सहायता मिली, जो कांग्रेस के साथ गठबंधन को तैयार नहीं थे। कांग्रेस के लिए इससे बढ़िया बात हो ही नहीं सकती थी, क्योंकि जो भाजपा विरोधी दल तीसरे मोर्चे की तैयारी कर रहे थे, उन्हें मनाने का काम उन्हीं में से एक नेता करने जा रहा था। ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और केजरीवाल जैसे भाजपा विरोधी नेताओं को कांग्रेस के साथ मिलकर गठबंधन बनाने के लिए नीतीश कुमार ने ही राजी किया। इसीलिए कांग्रेस ने भाजपा विरोधी दलों की पहली बैठक का जिम्मा भी नीतीश कुमार को सौंप दिया, ताकि किसी को यह न लगे कि कांग्रेस लीड रोल में रहना चाहती है। कायदे से नीतीश कुमार को पटना बैठक में ही खुद को संयोजक बनवा लेना चाहिए था। उस समय लालू यादव के साथ उनका प्यार मोहब्बत का राजनीतिक रिश्ता बना हुआ था। लालू यादव चाहते ही थे कि नीतीश कुमार को राष्ट्रीय जिम्मेदारी दिलाकर बेटे तेजस्वी के लिए मुख्यमंत्री पद खाली करवाया जाए, लेकिन नीतीश कुमार उस बैठक में चूक गए, या फिर कांग्रेस की चिकनी चुपड़ी बातों में आ गए। 23 जून को हुई पहली बैठक के बाद पिछले साढ़े पांच महीनों में क्या बदला है। बदला यह है कि बेंगलुरु बैठक में सोनिया गांधी ने खुद शामिल हो कर यूपीए को भंग करके खुद को यूपीए चेयरपर्सन के पद से मुक्त कर लिया। संकेत यह दिया गया कि अब नया गठबंधन बने, जिसमें सभी भाजपा विरोधी दलों को शामिल करवाया जाए, और गठबंधन का नया नाम, नया संगठनात्मक ढांचा बने। गठबंधन का नया नाम भी खुद राहुल गांधी ने रख लिया, जबकि नीतीश कुमार ने दूसरा नाम सुझाया था। इस बैठक में भी नीतीश कुमार को संयोजक बनाने का प्रस्ताव नहीं आया। मुम्बई बैठक में तो कांग्रेस ने खुद को लीड रोल में लाना शुरू कर दिया था। नीतीश कुमार ने जाति आधारित जनगणना को एजेंडे में रखने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन वह ममता, केजरीवाल और उद्धव ठाकरे के विरोध के कारण पास नहीं हुआ। नीतीश कुमार को संयोजक बनाने के बजाए 14 सदस्यीय कमेटी बना दी गई, जिस की अब तक सिर्फ एक ही बैठक हुई है। इस कमेटी में शरद पवार और हेमंत सोरेन ने जरूर खुद को रखा, अन्य किसी दल के अध्यक्ष ने खुद को इस कमेटी में नहीं रखा। यानी छोटे नेताओं की कमेटी बना दी गई, जो कोई फैसला लेने में सक्षम नहीं थी। नीतीश कुमार ने प्रस्ताव रखा था कि 31 दिसंबर तक सीटों का बंटवारा कर लिया जाए, सभी ने हामी भी भरी, लेकिन कांग्रेस ने किसी से बात शुरू नहीं की। अब तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संयोजक के सवाल को कौन बनेगा करोड़पति जैसा सवाल बताकर नीतीश कुमार के नाम पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। कांग्रेस ने गठबंधन के जनक नीतीश कुमार को कमजोर करके कमान अपने हाथ में ले ली है। शुरू में कहा गया था कि जो जिस राज्य में मजबूत होगा, उस राज्य में सीटों के बंटवारे का नेतृत्व वही करेगा। दिल्ली में शरद पवार के घर पर हुई को-आर्डिनेशन कमेटी की मीटिंग के बाद भी मीडिया को यही बताया गया था। लेकिन कांग्रेस ने क्षेत्रीय दलों से सीटों का बंटवारा करने के लिए मुकुल वासनिक की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्तर की एक हाई पावर कमेटी बना ली। जिसमें अशोक गहलोत, भूपेश बघेल और सलमान खुर्शीद को सदस्य बनाया गया। जबकि अगर राष्ट्रीय स्तर पर कोई कमेटी बननी थी, तो उसकी रहनुमाई नीतीश कुमार को दी जानी चाहिए थी, ताकि जिस तरह उन्होंने गठबंधन बनाया, उसी तरह वह कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों में पंच की भूमिका निभाते। नीतीश कुमार ने खुद भी एनडीए में लौटने की हवा बनाकर खुद को कमजोर किया, इसलिए ममता बनर्जी और केजरीवाल ने 19 दिसंबर को दिल्ली में हुई बैठक में मल्लिकार्जुन खड़गे को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने का प्रस्ताव तो रखा, लेकिन गठबंधन का संयोजक बनाने का कोई प्रस्ताव नहीं आया। अब बिना किसी प्रस्ताव के कांग्रेस गठबंधन की सरपंच बन कर बैठ गई है और क्षेत्रीय दलों को सीटों के बंटवारे पर बातचीत करने के लिए दिल्ली तलब किया जा रहा है। जबकि सीटों के बंटवारे की कमान राज्य स्तर पर क्षेत्रीय दलों के हाथ में होनी थी। नतीजा यह निकला कि बिहार की सीटों के बंटवारे के लिए हुई । जनवरी की बैठक में नीतीश कुमार तो क्या, जेडीयू से ही कोई शामिल ही नहीं हुआ। कांग्रेस का रवैया देख कर नीतीश कुमार ने कह दिया कि जेडीयू तो 1। सीटों पर चुनाव लड़ेगी, बाकी बची 23 सीटें आपको जैसे बांटनी है, बाँट लो। हाँ सीटों की अदला बदली हो सकती है। सीटों की अदला बदली की बात भी नीतीश कुमार कांग्रेस से नहीं करेंगे।

## गगनयान से क्या इसरो छू पाएगा आसमान? सूर्य और चंद्र मिशन के बाद भारत की अगली उड़ान

इसरो के सामने अभी तक की चुनौतियां मुख्य रूप से मिसाइल टेक्नॉलजी और टेलिकम्युनिकेशन के क्षेत्र से जुड़ी थीं। किसी चीज को रॉकेट पर सवार कराकर बहुत दूर फेंकना, फिर इलेक्ट्रॉनिक संकेतों के जरिये उसे सटीक ढंग से नियंत्रित करके मनचाही जगह पर ले जाना या कोई और मनचाहा काम लेना। पिछले पचास वर्षों में उपग्रहों को कक्षा में स्थापित करने से लेकर चंद्रयान को चंद्रमा पर उतारने और उसकी सतह पर गाड़ी चलाने तक सारे काम इन दोनों तकनीकी श्रेणियों में ही आते रहे हैं। लेकिन यहां से आगे का चैलेंज बिल्कुल अलग तरह का है। इसरो के इस मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन को 'गगनयान' नाम दिया गया है। हमारे लिए यह अमेरिका-रूस से कम लेकिन चीन की तुलना में थोड़ा ज्यादा मुश्किल साबित हो सकता है। अमेरिका और रूस, दोनों को अपने मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियानों में सफलता 1961 में मिली थी। रूस ने 12 अप्रैल 1961 को यूरी गागरिन को पृथ्वी की कक्षा में भेजा और 108 मिनट में धरती का एक चक्कर पूरा करने के बाद उन्हें सकुशल अपनी जमीन पर वापस उतार लिया। इसके 23 दिन बाद अमेरिका को भी इस मिशन में आंशिक सफलता मिली, जब उसके अंतरिक्षयात्री एलन शेपर्ड 5 मई 1961 को 15 मिनट के लिए अंतरिक्ष में गए और जीवित लौट आए। चीन को ऐसी कामयाबी 15 अक्टूबर 2003 को हासिल हुई, जब उसके अंतरिक्षयात्री यांग लीवेई शेनझोऊ-5 अंतरिक्षयान से पृथ्वी की कक्षा में पहुंचे और 21 घंटे में धरती के 14 चक्कर लगाकर पैराशूट से इनर मंगोलिया के रेगिस्तान में उतर आए। इससे चीन की वैज्ञानिक क्षमता पर मोहर जरूर लगी, लेकिन उसे थोड़ा फायदा रूसी और अमेरिकी तजुर्बों का भी मिला, जो तब तक विज्ञान के दस्तावेजों की तरह सार्वजनिक हो चुके थे। ज्यादा बड़ी बात यह कि शेनझोऊ-5 का ह्यूमन कैप्सूल काफी कुछ रूस के अति सफल सोयुज यान के डिजाइन पर आधारित था। चीनी वैज्ञानिकों ने सोयुज के डिजाइन में निश्चित रूप से काफी विकास किया, लेकिन इसमें कुछ भूमिका ब्लूप्रिंट के रूप में प्रत्यक्ष रूसी सहयोग की भी हो सकती है। यह जितनी भी रही हो, गगनयान के निर्माण में भारत को शायद उतनी भी न मिले। अभी पिछले साल, भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के तुरंत बाद इसरो ने अमेरिकी नेतृत्व वाली आर्टेमिस परियोजना में शामिल होने का फैसला किया था। जैसे कड़वे रिश्ते अभी अमेरिका और रूस के अंतरिक्ष संगठनों के बीच बने हुए हैं, उसे देखते हुए इसरो को रूस से ऐसी कोई अपेक्षा भी नहीं करनी चाहिए। दूसरी तरफ आर्टेमिस में शामिल होने के जो भी मायने इसरो के लिए निकलेंगे, उनका संबंध चंद्रमा से ही होगा। तकनीकी के लेनदेन में अमेरिका की कृपणता इतनी मशहूर है कि गगनयान के लिए उससे कुछ कहना बेकार है। साल के शुरू में अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में ही इसरो ने बता दिया है कि यूं तो 2024 में रेकॉर्ड 12 स्पेस मिशन उसे संपन्न करने हैं, लेकिन यह साल उसकी तरफ से 2025 में लॉन्च होने वाले गगनयान को ही समर्पित रहेगा। इससे जुड़े विविध पहलुओं को लेकर गठित टीमें पहले से ही काम कर रही हैं और उनको अपनी परियोजनाओं का परीक्षण इसी साल कर लेना है।




## आज का राशिफल

मेष: [illegible] शुभांक-2-4-6

वृषभ: [illegible] शुभांक-3-7-9

मिथुन: [illegible] शुभांक-4-6-8

कर्क: [illegible] शुभांक-5-7-8

सिंह: [illegible] शुभांक-6-8-9

कन्या: [illegible] शुभांक-2-4-6

तुला: [illegible] शुभांक-5-6-9

वृश्चिक: [illegible] शुभांक-1-3-5

धनु: [illegible] शुभांक-2-4-6

मकर: [illegible] शुभांक-3-5-7

कुंभ: [illegible] शुभांक-4-7-9

मीन: [illegible] शुभांक-4-6-9

## सुडोकू पहेली क्रमांक- 5113

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 5 | | | | 4 | | 6 | |
| 3 | | | | 6 | 8 | 2 | | |
| 4 | 6 | | | 9 | | | | 1 |
| | | | | | 1 | | 4 | |
| | 3 | 4 | | 5 | | 7 | 2 | |
| | 9 | | 2 | | | | | |
| 6 | | | | 8 | | | 7 | 9 |
| | | 9 | 3 | 2 | | | | 8 |
| | 7 | | 9 | | | | 5 | |

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

### सुडोकू पहेली क्र. 5112

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 2 | 6 | 8 | 4 | 5 | 1 | 7 | 9 |
| 4 | 8 | 7 | 6 | 1 | 9 | 5 | 2 | 3 |
| 9 | 1 | 5 | 7 | 2 | 3 | 6 | 8 | 4 |
| 7 | 9 | 2 | 5 | 6 | 8 | 4 | 3 | 1 |
| 6 | 4 | 8 | 3 | 9 | 1 | 7 | 5 | 2 |
| 1 | 5 | 3 | 4 | 7 | 2 | 8 | 9 | 6 |
| 2 | 6 | 1 | 9 | 5 | 7 | 3 | 4 | 8 |
| 8 | 7 | 4 | 2 | 3 | 6 | 9 | 1 | 5 |
| 5 | 3 | 9 | 1 | 8 | 4 | 2 | 6 | 7 |

## वर्ग पहेली 5113



संकेत: बाएं से दाएं

1. [illegible] (3)
7. [illegible] (4)
9. सौ हजार की संख्या (2)
10. एक रोग, अर्श (4)
13. [illegible] 1947 की एक [illegible] (5)
16. पटना से करीब 90 किमी. [illegible] (2)
19. लेखनी, [illegible] (3)
19. एक पहर, तीन घंटे का समय (2)
21. वर्जित, निषिद्ध (2)
22. [illegible] (5)
25. मूल्य, भाव, निर्ख (2)
26. [illegible] (4)

ऊपर से नीचे (2)

1. [illegible] (5)
2. [illegible] (2)
3. [illegible] (3)
5. घोर आफत, विपत्ति (2)
6. [illegible] (2)
8. नया आया हुआ, जो अभी आया हो (4)
11. हल जोतने वाले बैल, हल (2)
12. [illegible] (4)
14. समाधान, निराकरण (2)
15. भगवान विष्णु का पांचवां अवतार (3)
17. [illegible] (4)
20. [illegible] (2)
21. [illegible] (3)
22. [illegible] (2)
23. [illegible] (2)
24. मूल्यवान, कीमती, बहुमूल्य (2)

### वर्ग पहेली 5112 का हल

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मा | त | दा | अ | ख | बा | र | |
| ह | ल | क | | र | | वि | श्व |
| | क | | आ | गो | श | | सा |
| सौ | ना | | स | न | क | | न |
| म | | खा | का | | | ज | |
| ना | गा | | पु | या | रा | न | |
| था | | पं | छी | | च | म | क |
| | हा | थी | | जी | न | त | |

# हंस की तरह दूध रूपी अच्छे गुणों को ग्रहण करो-रामदयालजी महाराज

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** धर्मधाम गीता भवन में आयोजित गीता जयंती महोत्सव के चतुर्थ दिवस गीता प्रवचन माला व्याख्यान में व्यास पीठासीन शाहपुरा धाम पीठाधीश्वर पूज्य आचार्य श्री रामदयालजी महाराज ने गीता के आधार पर सभी समस्याओं की जड अंग्रेजीअक्षर आई अर्थात मैं की व्याख्या करते हुए कहा कि आज किसी एक देश की नहीं सम्पूर्ण विश्व की समस्याओं के मूल में जो है वह है आई अर्थात जो कुछ है सो है वह मैं हूं मुझसे बढकर कोई नहीं। यह मैं पने का अहंकार-अभिमान ही समस्त

समस्याओं की जड बना हुआ है। महाभारत युद्ध का मुख्य कारण दुर्योधन का मैं पने का अहंकार ही था।

**दूध रूपी गुणों का ग्रहण एवं पानी रूपी दुगुर्णों कों दूर करो–** जीवन में सुखी रहना है तो गीता का मूल सिद्धांत हंस बनकर दूध रूपी गुणों को ग्रहण करो। दुगुर्ण रूपी पानी को छोड दो।श्रीमद् भागवत का मूल सिद्धांत गोकर्ण नहीं बन सको तो कोई हर्ज नहीं परन्तु धुंधुकारी बनकर बुराईयों के जाल में पडकर नरकगामी बनने से बचो। आंख सुधरी-जग सुधरा- दूसरों की आंख में कचरा, मच्छर आदि कुछ गिर जाये तो हमें कोई दु:ख नहीं होगा परन्तु हमारी आंख में जरा सा भी रजकण गिर जाये तो परेशान हो जायेंगे। ऑपरेशन करना पडेगा, इसलिये कहा है कि हमारी आई रूपी आंख सुधरी तो जग सुधरा। एक हम सुधर गये तो समझो परिवार-समाज ही नहीं सम्पूर्ण राष्ट्र सुधर जायेगा। दूसरों के दोष देखने से पहले शुरूआत हमें पहले स्वयं से करनी होगी।

**भजन भी युक्तिपूर्वक करने से सिद्ध-सफल होगा–** आचार्य श्री ने कहा कि स्वच्छंद उडते तोते को सोने के पिंजरे में बंद करने-प्रतिदिन केवल राम-राम रटने पर भी सुखी नहीं परेशान रहता था। कहीं से उडकर दूसरा तोता पिंजरे पर बैठ गया। उससे बंदी तोते ने कहा मैं दिन रात राम-राम बोलता हूं फिर भी पिंजरे में रहने से सुखी नहीं हूं। तेरी तरह खुले आकाश में फिर से उडना चाहता हूं। क्या करूं ? तोते ने कहा मुर्दे की तरह थोडी देर सांस रोक कर गिर जाओं तो घर वाले मरा हुआ समझकर पिंजरे का फाटक खोल देंगे और तुम उड जाना। तोते ने ऐसी युक्ति का सहारा लिया और पिंजरे से मुक्त हो गया। इसी प्रकार भजन नाम जप भी हम गुरू की आज्ञानुसार करेंगे तो उसका फल अवश्य मिलेगा। कर्म तो अवश्य करो परन्तु अपने लिए नहीं भगवान के लिये समझकर करो परन्तु कर्म फल के हानि-लाभ के परिणाम दु:खी-सुखी नहीं होंगे। संचालन ट्रस्ट सचिव पं. अशोक त्रिपाठी ने किया एवं आभार ट्रस्टी बंशीलाल टांक ने माना।

# शत-प्रतशत लाड़ली बहनों का जीवन सुरक्षा बीमा करवाये-जैन

**नीमच, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** विकसित भारत संकल्यट यात्रा के क्रम में गुरूवार को मनासा क्षेत्र के ग्राम पंचायत मुख्यालय बेसला में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत कलक्टेर श्री दिनेश जैन, विधायक प्रतिनिधि श्री नरेन्द्र मारू, श्री गोपाल गुर्जर, श्री राकेश जैन, श्री अमर रावत, श्री देवीलाल मीना, श्री दीपक मरच्चा, श्री विनोद धनोतिया, एसडीएम श्री पवन बारिया, की उपस्थिति में शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर में कलेक्टर श्री जैन ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। कलेक्टर श्री जैन ने उपस्थित जनों से संवाद करते हुए कहा कि सभी लोग अपना स्वास्थ्य परीक्षण, करवाये, आयुष्मान कार्ड बनवाये और अपनी आभा आईडी बनवाये। जिन्हें उज्जिवला योजना का लाभ नहीं मिल रहा है, वे अपना आवेदन शिविर में दे, जिससे कि उन्होंने गैस कनेक्शन सिलेण्डर व चूल्हा प्रदान किया जा सके।

कलेक्टर ने बेसला में शतप्रतिशत हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। शिविर में नि:शुल्क बीपी व शुगर की जांच भी की गई। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। कलेक्टर ने सभी लाडली बहनाओं का 20 रूपये प्रीमीयम पर जीवन सुरक्षा बीमा करवाने के भी निर्देश दिए। किसानों से प्राकृतिक खेती को बढावा देने और नेनो, यूरिया का उपयोग करने की भी सलाह दी। सरपंच प्रतिनिधि श्री अमर रावत ने अतिथियों का पुष्पहारों से स्वा गत किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, गणमान्य नागरिक, पत्रकारगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बडी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं अतिथियों व किसानों की उपस्थिति में बेसला में ड्रोन प्रदर्शन भी किया गया। ग्रामीणजन ड्रोन प्रदर्शन देखकर काफी खुश नजर आ रहे थे।

# वात्सल्य प्रीमियर लीग सीजन 2 का आगाज दो फरवरी से

## आईपीएल और रणजी ट्रॉफी खेल चुके खिलाड़ी लेगे हिस्सा, कल छह टीमों के ऑनर्स लेंगे नीलामी में भाग

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** पिछले साल वात्सल्य पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित वात्सल्य प्रीमियर क्रिकेट लीग को लोगों ने खासा पसंद किया। इसके बाद एक बार फिर वात्सल्य प्रीमियर लीग सीजन 2 को लेकर भी खेल प्रेमियों में जमकर उत्साह है। इस बार सात सौ खिलाडि?ों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। जिसमें देश के कई राज्यों के खिलाडी शामिल है। महत्वपूर्ण बात यह है कि पूर्व की तरह इस बार भी आईपीएल, रणजी ट्रॉफी और मुश्ताक अली ट्रॉफी खेल चुके खिलाडी भी इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। दो फरवरी से ग्यारह फरवरी तक वीपीएल 2 खेला जाएगा। इसमें कुल छह टीमें मंदसौर इंडियन, मंदसौर मॉवरिक्स, क्रिकेट स्पारटेंस, राज राईडर्स, सफल इलेवन और मंदसौर स्ट्राइकर आमने-सामने होंगे। खिलाड़ियों का ऑक्शन 13 जनवरी को वात्सल्य पब्लिक स्कूल में होगा।

**यह है टीम ऑनर्स–** टीम के मालिकों की बात करें तो मंदसौर मॉवरिक्स टीम के ऑनर उद्योगपति विशाल गोयल, क्रिक स्पारटेंस टीम के ऑनर खिलाडी एवं व्यवसायी मनीष बग्गा, राज राईडर्स टीम के ऑनर सुधीर लोढा और उपेंद्र भूता, मंदसौर इंडियन टीम के ऑनर व्यवसायी पीयूष गर्ग, सफल इलेवन टीम के ऑनर कॉलोनाईजर रमेश(रम्मू) अग्रवाल और मंदसौर स्ट्राइकर टीम के ऑनर व्यवसायी रजत डोसी है।

**आईपीएल की तर्ज पर वीपीएल सीजन 2–** नूतन स्टेडियम पर होने वाले सभी मैच डे नाईट होकर फ्लड लाईट में खेले जाएंगे। एक दिन में दो मैच होगे। सभी मैच 15 ओवर के होगे। आपको बता दे कि गनेडीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित वात्सल्य पब्लिक स्कूल ने स्थानीय खेल प्रतिभाओं को उभारने के लिए प्रशंसनीय प्रयास शुरु किया है। शहर की क्रिकेट प्रतिभाओ को राष्ट्रीय स्तर के खिलाडियों के साथ मैदान साझा करने का मौका मिलेगा।

## चाइनीस मांझे के उपयोग न करने के लिये निकाली जागरूकता रैली

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** जिला विविध सेवा प्राधिकरण मंदसौर द्वारा बताया गया कि मकर संक्राति पर्व के दौरान चाइनीस मांझे के उपयोग न करने के लिये जागरूकता रैली निकाली गई। जागरूकत रैली को जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर के सचिव श्री हर्ष सिंह बहरावत द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। जागरूक्ता रैली उत्कृष्टविद्यालय से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए उत्कृष्टविद्यालय में रैली का समापन हुआ। रैली में सम्मिलित विद्यार्थीगण हाथों में तख्तीयां लेकर चले तथा चाइनीस मांझे के उपयोग न करने एवं मांझे से पक्षियों के जीवन को बचाने के संबंध में नारे लगाये गये। रैली के दौरान स्कूल स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर के सचिव श्री हर्ष सिंह बहरावत द्वारा विद्यार्थियों को बताया की किसी भी व्यक्ति को अगर चाइनीस मांझे के विक्रय के बारे में पता चलता है तो वो पुलिस, जिला प्रशासन अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर को तुरंत सूचित करें।

# कलेक्टोरेट में नियुक्ति पाकर खुश है दिव्यांग पवन एवं नवीन

## कलेक्टर ने प्रदान किए तीन दिव्यांगों को भृत्य के पद पर नियुक्ति आदेश

**नीमच, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** कलेक्टर कार्यालय नीमच में राजस्व विभाग अंतर्गत दिव्यांगों की नियुक्ति पूर्व में वर्ष 2015 में आहुत की गई थी। उसके पश्चात जिले में राजस्व विभाग अंतर्गत उक्त नियुक्ति नहीं निकाली गई थी। किंतु दिव्यांगों को रोजगार मिले एवं उनका भविष्य उज्ज्वलित हो इसलिए वर्ष 2023 में उक्त नियुक्ति की प्रक्रिया पुन: प्रारंभ की गई। कार्यालयीन पत्र क्रमांक/वित्त-1/स्थापना/2023/79 नीमच दिनांक 17.01.2023 से उक्त नियुक्ति हेतु विज्ञप्ति जारी की गई तथा अभ्यार्थियों को साक्षात्कार हेतु आहुत किया जाकर मेरिट सूची तैयार कर उक्त मेरिट सूची के अनुसार जिले में भृत्य के रिक्त पद की पूर्ति की प्रक्रिया पूरी की जाकर, कुल 03 अभ्यार्थियों को भृत्य के रिक्त पदों पर नियुक्ति आदेश जारी कर दिए गए है। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने मंगलवार को दिव्यांग श्री पवन कुमार(जाटव) यादव, श्री देवकीनंदन धनगर एवं श्री नवीन पोरवाल को भृत्य के पद पर नियुक्ति का आदेश प्रदान किया गया। इस मौके पर एडीएम सुश्री नेहा मीना, संयुक्त कलेक्टर सुश्री प्रीति संघवी भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर कार्यालय में भृत्य के रिक्त पद पर कलेक्टर के हाथों नियमित नियुक्ति का आदेश पाकर दिव्यांग काफी खुश हुये। नियुक्त अभ्यार्थी श्री पवन कुमार(जाटव) यादव के द्वारा कहा गया कि मेरी नियुक्ति भृत्य के पद पर हुई है जिसका आदेश मुझे प्राप्त हुआ। उक्त नियुक्ति पाकर मैं बेहद खुश हूं। क्योंकि मुझे पारिवारिक जिम्मेदारी निभाने का अवसर मिला है। श्री देवकीनंदन धनगर ने कहा कि उक्त नियुक्ति पाकर मेरा जीवन सफल बन गया है। श्री नवीन पोरवाल ने कहा कि उक्त नियुक्ति मिलने से मैं अपने परिवार का पालन पोषण अच्छे से कर सकुंगा।

# सड़क सुरक्षा से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान किया

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** नेहरू युवा केंद्र मंदसौर एवं कलाव्योम फाउंडेशन द्वारा आयोजित सडक सुरक्षा सप्ताह कार्यक्रम में आज मंदसौर जिला परिवहन अधिकारी वीरेंद्र सिंह यादव ने उपस्थित युवाओं को सडक सुरक्षा से सम्बंधित मार्गदर्शन प्रदान किया। इस दौरान यातायात पुलिस के जवान अर्जुन माली एवं मोडीराम ने उपस्थित युवाओं को सडक सुरक्षा से जुडे नियमों का प्रदर्शन कर जानकारी प्रदान किया। यह कार्यक्रम नेहरू युवा केंद्र मंदसौर के जिला अधिकारी अभिलाष म्हसके के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान कलाव्योम फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक श्रीमाल, नेहरू युवा केंद्र के दारा सिंह चौधरी, डॉक्टर के. आर. सूर्यवंशी (पीजी कॉलेज, मन्दसौर), अनिल कुमार आर्य (जिला छड्डअधिकारी), विजेंद्र देवडा (जिला खेल अधिकारी) आदि उपस्थित रहे। साथ ही नेहरू युवा केंद्र के कार्यकर्ता नीलेश कुशवाह, रौनक शर्मा एवं पल्लवी चंदेल आदि भी उपस्थित रहे।

# कालेज चलो अभियान के अंतर्गत दी जानकारी

**दलौदा, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** स्वामी विवेकानंद शा.महा.के प्राध्यापको की टीम ने दिनांक 11/1/2024 गुरुवार को दलौदा नगर के DPS / SDPS स्कूलों में जाकर कक्षा 12 वीं के विद्यार्थियों से संवाद किया जिसमे DPS विद्यालय के प्राचार्य श्री रिजीमोन सर एवं SDPS के प्राचार्य श्रीमती राजप्रभा राणावत ने विद्यार्थियों से संपर्क करवाया एवं कॉलेज चलो अभियान में प्राध्यापको का सहयोग किया। मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत कॉलेज चलो अभियान के संबंध में विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी प्राध्यापको द्वारा दी गई। डॉ. पवन कुमार पिलोदिया ने ई प्रवेश के संबंध में जानकारी दी, डॉ. नोंदराम मालवीय ने शासन द्वारा संचालित छात्रवृत्तियों की जानकारी दी, डॉ. ओंकार सिंह रावत ने राष्ट्रीय सेवा योजना की जानकारी दी, डॉ. माला हकवाडिया ने स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना की जाकारी दी। डॉ. जसवंत कुमार कारपेटर ने नई शिक्षा नीति के संबंध में जानकारी दी, प्रो. प्रिया जैन ने संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमो के बारे मे जानकारी दी एवं प्रो. मेघा जोशी ने महाविद्यालय मे मिलने वाली अन्य सुविधा के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में दोनो विद्यालयो का स्टाफ उपस्थित रहा।

# दुनिया का सबसे ताकतवर शब्द है एक्स्ट्रा-डॉ. अग्रवाल

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** किसी कार्य स्थल पर एक जैसे काम के घंटे, एक जैसा अवसर और एक जैसी शुरुआत करने के बाद भी कुछ लोग क्यों तेजी से तरक्की करते हैं और कुछ लोग क्यों पीछे रह जाते हैं? इसका राज यदि एक शब्द में कहा जाए तो वह है - 'एक्स्ट्रा'। एक्स्ट्रा करने से ही आपको एक्स्ट्रा मिलेगा और आप एक्स्ट्राऑर्डिनरी कहलाएंगे। यही मानव संसाधन विकास प्रबंध का रहस्य है।

उक्त विचार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर में प्रबंध विभाग के निदेशक डॉ. अशोक अग्रवाल ने बी.बी.ए. अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को विषयगत व्याख्यान श्रृंखला में व्यक्त किए। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अग्रवाल ने कहा कि जो स्टॉफ या व्यक्ति एक्स्ट्रा मेहनत करता है, उसे मैनेजमेंट याद रखता है; जो कंपनी एक्स्ट्रा कमीशन देती है, स्टॉफ उसे पसंद करता है। प्रो. अग्रवाल ने छात्रों को मार्केटिंग स्ट्रेटजी के तहत बताया कि आपको सदैव स्मरण रखना होगा कि मैं ऐसा क्या एक्स्ट्रा करता हूं जिसकी वजह से मेरा कस्टमर हमेशा मुझे याद रखें। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य डॉ. एल. एन. शर्मा ने कहा कि बिजनेस में बढोतरी होना प्रगति है, लेकिन उस प्रगति में मानवता, नैतिकता और आध्यात्मिकता जुड जाए तो व्यापार न केवल सफल होगा बल्कि सुस्थिर भी रहेगा। रिटेल प्रबंधन की चर्चा करते हुए डॉ. रजत जैन ने डिपार्टमेंट स्टोर, सुपर मार्केट, स्पेशलिटी स्टोर और ऑनलाइन रिटेलर की विशेषताओं और महत्व को रेखांकित किया। प्रो. शालू नलवाया ने कर्मचारी प्रबंधन हेतु बेहतर कार्य और प्रेरणात्मक भुगतान पद्धतियों की चर्चा की। ऐसे आयोजनों की सराहना करते हुए महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी ने छात्र-छात्राओं को कठिनाइयों से कभी न घबराते हुए सदैव कर्मशील रहने का संदेश दिया। विशिष्टव्याख्यानों का संचालन एवं आभार प्रदर्शन करते हुए प्रो. साक्षी विजयवर्गीय ने विद्या-अध्ययन रूपी कुल्हाडी की धार को निरंतर तेज करते रहने की सीख बडी संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं को दी।

# मप्र में 22 जनवरी को बंद रहे अण्डे, मांस व मदिरा की दुकानें-पाण्डेय

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** कार सेवक रविन्द्र पाण्डेय ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उपमुख्यमंत्री जगदीश देवडा से 22 जनवरी को शराब और मांस की दुकानें बंद रखने की मांग की है। रविन्द्र पाण्डेय ने कहा कि 22 जनवरी को हिन्दूओं के आस्था के केन्द्र रहे प्रभु श्रीराम की जन्म स्थली अयोध्या में प्रभु राम की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है। इस दिन मध्यप्रदेश सहित सम्पूर्ण देश के मंदिरों एवं धार्मिक स्थानों व घरों में भजन-कीर्तन, पूजा पाठ, दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित होंगे। देश नहीं विश्व में अपार उत्साह और उमंग का वातावरण रहने वाला है और हर व्यक्ति प्रभु श्री राम के 500 वर्ष के प्रतिष्ठा के बाद प्रभु श्री राम अपने मंदिर में विराजने वाले है इसलिये 22 जनवरी को प्रभु श्री राम के मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के दिन मध्य प्रदेश सरकार को शराब की दुकान, अण्डे, मांस बूचडखाने की दुकाने बंद रखने के आदेश जारी करना चाहिए। तथा इस दिन शासकीय अवकाश भी घोषित करना चाहिए।

## पहले माह में ही लगभग 4 लाख 92 हजार हितग्राही लाड़ली बहनों के हितों पर डाका ..!

# लाड़ली बहनों को ऐनकेन प्रकारेण बाहर करने के मामले सामने आने लगे

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** बुधवार को मध्य प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग अध्यक्ष श्री के के मिश्रा ने लाडली बहना योजना के आंकडों का हवाला देते हुए कहा कि यदि 1576 करोड रुपयों की राशि में 1250 का भाग दिया जाए तो कुल वास्तावित लाडली बहनों की संख्या 1 करोड 26 लाख 8 हजार होती है, जो सीधी तौर पर 4 लाख 92 हजार बहनों के अंतर को दर्शाता है। इन स्थितियों में मुख्यमंत्री बताएं कि उनकी सरकार बनते ही मात्र एक माह में 4 लाख 92 हजार बहनें कहाँ गायब हो गई ? इधर मंदसौर जिले में भी लाडली बहना योजना में पात्र हितग्राहियो को ऐनकेन प्रकारेण बाहर करने की शिकायते लगातार सामने आने लगी है। पात्र महिला हितग्राहियो को

स्वयं योजना का लाभ त्याग करने संबंधी हवाला देकर उन्हें योजना का लाभ से बाहर किया जा रहा है।

जिला कांग्रेस प्रभारी महामंत्री एवं प्रवक्ता श्री सुरेश भाटी ने बताया कि मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के मिडीया प्रभारी श्री केके मिश्रा ने तथ्यो के साथ यह दावा किया था कि पूर्ववर्ती शिवराज सरकार ने इस योजना को लागू करते हुए आधिकारिक तौर पर वास्तविक हितग्राही बहनों को संख्या 1 करोड 31 लाख बताई थी । मोहन सरकार के शपथ लेने के बाद पहली बार सरकार ने आज सार्वजनिक किया है कि एक करोड 29 लाख बहनों के खातों में 1576 करोड रुपए हस्तांतरित हुए हैं। यानी सरकार ने ही दो लाख बहनों की संख्या 1 माह में ही कम होना स्वीकार किया है .... किंतु हकीकत इससे जुदा है .....? श्री भाटी ने कहा मंदसौर जिले के सीतामऊ विकासखंड के ग्राम निपानिया में पिछले दिनों लाडली बहना योजना में पात्र हितग्राही श्रीमती यशोदा गुर्जर द्वारा लाडली बहना की राशि खाते में नही आने की शिकायत महिला एवं बाल विकास विभाग को दर्ज करवायी, किन्तु समाधान नही होने पर सीएम हेल्पलाईन में शिकायत करने पर विभाग ने यह जवाब दे दिया कि हितग्राही ने स्वयं लाडली बहना योजना में लाभ लेने से इंकार कर दिया है। इस जवाब के पात्र पात्र हितग्राही विभिन्न विभागो में चक्कर लगा रही है लेकिन समाधान नही हो रहा हैं। श्री भाटी ने कहा कि भोपाल से लेकर मंदसौर तक विधानसभा चुनाव होने के उपरांत सरकार स्वयं महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से पात्र महिला हितग्राहियो की छटनी करने में तुला हुआ है ताकी खजाने को बचाकर डॉ मोहन यादव सरकार एवं उनके मंत्रियो के बंगलो की रिपेरिंग सहित अन्य अनावश्यक खर्च शुरू किये जा सके।

# आज नगर में श्री राम राज्य स्थापना यात्रा का आगमन होगा

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** श्री अन्नपूर्णा धाम सेमलिया से आरंभ हुई श्री राम राज्य स्थापना यात्रा का आज 12 जनवरी को मंदसौर नगर आगमन हो रहा है। उल्लेखनीय है कि मां अन्नपूर्णा मंदिर ग्राम सेमलिया से 10 जनवरी को यात्रा का शुभारंभ हुआ। दो दिवस मंदसौर नीमच क्षेत्र का भ्रमण करते हुए शुक्रवार 12 जनवरी को यात्रा का आगमन दोपहर अभिजीत मुहूर्त 12:15 बजे मंदसौर नगर सीमा में होगा।

महामंडलेश्वर स्वामी श्री मधुसुदनानंद जी महाराज के नेतृत्व में आ रही यह यात्रा मंदसौर से अयोध्या जी प्रस्थान करेगी। यात्रा में अखाडा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी जी महाराज,और तिजारा राजस्थान के विधायक अलवर के पूर्व सांसद योगी बाबा बालक नाथ जी महाराज तथा प्रदेश के शहरी विकास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय सम्मिलित हो रहे हैं। पूज्य स्वामी श्री मधुसुदनानंद जी महाराज ने कहा कि इस यात्रा में देश भर से लगभग 200 साधु संत शामिल होने आ रहे हैं। किसी भी नगर के लिए यह अतिशय सौभाग्य की बात होती है कि इतने संतों का एक साथ आगमन होता है तो वह सभी संत पूरे नगर की ओर नगर वासियों की पीडा अपने साथ लेकर जाते हैं।ऐसा सुखद सौभाग्य बहुत कम प्राप्त होता है जो मंदसौर नगर वासियों को 12 जनवरी को प्राप्त होने जा रहा है। यात्रा प्रभारी सत्तू भाई गुर्जर ने बताया कि 12:15 बजे महाराणा प्रताप चौराहा से यात्रा का शुभारंभ होगा।यात्रा महाराणा प्रताप चौराहा बीपीएल चौराहा नेहरू बस स्टैंड, घंटाघर आजाद चौक, सदर बाजार होती हुई भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचेगी जहां परिसर में धर्म सभा का भव्य आयोजन होगा जिसे अखाडा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी जी और योगी बाबा बालक नाथ जी संबोधित करेंगे।

## स्वामी विवेकानंद जयंती पर स्वामीजी का प्रथम शिकागो वक्तव्य का अंश...

# अमेरिका निवासी भगिनी तथा भातृगण..!

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** जिस सौहार्दता और स्नेह के साथ आपने हम लोगों का स्वागत किया है, उसके फलस्वरूप मेरा हृदय अकथनीय हर्ष से प्रफुल्लित हो रहा है। संसार के प्राचीन महर्षियों के नाम पर मैं आपको धन्यवाद देता हूं तथा सब धर्म की माता स्वरूप हिंदू धर्म एवं भिन्न-भिन्न संप्रदाय के लाखों करोडों हिंदुओं की ओर से भी धन्यवाद प्रकट करता हूं।

मैं उन सज्जनों के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूं जिन्होंने इस सभा मंच पर से प्राच्य प्रतिनिधियों के संबंध में आपको यह बतलाया है कि यह दूर देश वाले पुरुष सर्वत्र सहिष्णुता का भाव प्रसारित करने के निमित्त यश और गौरव के अधिकारी हो सकते हैं। मुझको ऐसे धर्मावलंबी होने का गौरव है जिसने संसार को 'सहिष्णुता' तथा 'सब धर्म को मान्यता प्रदान' करने की शिक्षा दी है हम लोग सब धर्म के प्रति केवल सहिष्णुता में ही विश्वास नहीं करते वरन समस्त धर्मों को सच्चा मानकर ग्रहण करते हैं। मुझे आपसे यह निवेदन करते गर्व होता है कि मैं ऐसे धर्म का अनुयाई हूं जिसकी पवित्र भाषा संस्कृत में अंग्रेजी शब्द ई exclusion का कोई पर्यायवाची शब्द नहीं। मुझे एक ऐसे देश का व्यक्ति होने का अभिमान है, जिसने इस पृथ्वी की समस्त पीडित और शरणागत जातियों तथा विभिन्न धर्मो के बहिष्कृत मातावलंबियों को आश्रय दिया है। मुझे यह बदलते गर्व होता है कि जिस वर्ष यहूदियों का पवित्र मंदिर रोमन जाति के अत्याचार से धूल में मिला दिया गया, उसी वर्ष कुछ अभिजात यहूदी आश्रय लेने दक्षिण भारत में आए और हमारी जाति ने उन्हें छाती से लगाकर शरण दी।

ऐसे धर्म में जन्म लेने का मुझे अभिमान है, जिसने पारसी जाति की रक्षा की और उसका पालन अब तक कर रहा है। भाइयों, मैं आप लोगों को एक स्रोत के कुछ पद सुनाता हूं, जिसे मैं अपने बचपन से गाता रहा हूं और जिसे प्रतिदिन लाखों मनुष्य गाया करते हैं। रुचीनां वैचित्र्याद्दजुकुटिलना नापथजुषाम्। नृणामेको गम्यस्त्वमसि पयसामर्णव इव॥ 'जैसे विभिन्न नदियां भिन्न-भिन्न स्रोतों से निकलकर समुद्र में मिल जाती है उसी प्रकार है प्रभो! भिन्न-भिन्न रुचि के अनुसार विभिन्न टेढे-मेढे अथवा सीधे रास्ते से जाने वाले लोग अंत में तुझसे ही आकर मिल जाते हैं।' यह सभा, जो संसार की अब तक की सर्वश्रेष्ठसभा में से एक है जगत् के लिए गीता के उस अद्भुत उपदेश की घोषणा एवं विज्ञापन है जो हमें बतलाता है - ये यथा मां प्रपद्यन्ते तांस्तथैव भजआम्यहम्। मम वर्त्मानुवर्तन्ते मनुष्या: पार्थ सर्वश:॥ 'जो कोई मेरी ओर आता है चाहे किसी प्रकार से हो मैं उसको प्राप्त होता हूं। लोग भिन्न-भिन्न मार्ग द्वारा प्रयत्न करते हुए अंत में मेरी ही ओर आते हैं। ' सांप्रदायिकता, संकीर्णता और इनसे उत्पन्न भयंकर धर्म विषयक उन्मत्ता इस सुंदर पृथ्वी पर बहुत समय तक राज्य कर चुके हैं। उनके घोर अत्याचार से पृथ्वी भर गयी, इन्होंने अनेक बार मानव- रक्त से धरती को सींचा, सभ्यता नष्ट कर डाली तथा समस्त जातियों को हताश कर डाला। यदि यह सब ना होता, तो मानव समाज आज की अवस्था से कहीं अधिक उन्नत हो गया होता।पर अब उनका भी समय आ गया है ,और मैं पूर्ण आशा करता हूं कि जो घंटे आज सुबह इस सभा के सम्मान के लिए बजाए गए हैं वह समस्त कट्टरताओं, तलवार या लेखनी के बल पर किए जाने वाले समस्त अत्याचारों तथा एक ही लक्ष्य की ओर अग्रसर होने वाले मानवों की पारस्परिक कटुताओं के लिए मृत्यु -नाद ही सिद्ध होंगे।

**भगवती प्रसाद गहलोत,**
**पिपलियामंडी**

# खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान पर कार्यशाला सम्पन्न

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) मंदसौर में राष्ट्रीय आविष्कार सप्ताह अंतर्गत खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान पर कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यक्रम संयोजक डाइट व्याख्याता श्री आर डी जोशी द्वारा कार्यशाला के उद्देश्य को रेखांकित करते हुए बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पालकों में मिलावट की पहचान कर जागरूकता फैलाना है। कार्यशाला के माध्यम से बताया गया कि किस प्रकार एक आम आदमी अपने दैनिक जीवन में उपयोग किये जाने वाले खाद्य पदार्थों में मिलावट का परीक्षण कर सकता है। और मिलावट युक्त खाद्य पदार्थों के सेवन से बच सकता है। डी.एल.एड छात्राध्यापकों के 12 समूहों उक्त परीक्षणों पर प्रयोगों के आधार पर अपना प्रस्तुतीकरण किया। इसी कार्यक्रम में संस्थान के छात्राध्यापकों के समक्ष श्री बलवन्त भण्डारी द्वारा जादू नहीं विज्ञान है पर आधारीत रोचक जानकारियाँ प्रस्तुत की और बताया की हमें दैनिक जीवन में जादू पर भरोसा न करते हुए विज्ञान पर ही भरोसा करना चाहिये।

## मंदसौर मंडी भाव

| उपज | आवक बोरी में | न्यूनतम | अधिकतम |
|---|---|---|---|
| मक्का | 52 | 2201 | 2499 |
| उड्द | 38 | 4700 | 8770 |
| सोयाबीन | 6000 | 3671 | 4826 |
| गैहु | 2000 | 2600 | 3350 |
| चना | 47 | 4933 | 5150 |
| मसुर | 60 | 4445 | 6090 |
| धनिया | 254 | 5700 | 7100 |
| लहसुन | 11000 | 12000 | 23501 |
| मैथी | 389 | 5000 | 6400 |
| अलसी | 1614 | 4000 | 5218 |
| सरसो | 423 | 3800 | 5160 |
| तारामीरा | 47 | 4451 | 4634 |
| इसबगोल | 10 | 8500 | 15500 |
| प्याज | 5500 | 321 | 1750 |
| कलोंजी | 73 | 12500 | 17700 |
| डॉलर | 17 | 9801 | 13500 |
| तिल्ली | 30 | 10727 | 15850 |
| मटरसुखी | 2 | 2260 | 2260 |
| असालीया | 11 | 6600 | 9500 |

## मामला हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट का...

# अभी नहीं कटेगा चालान..!

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** प्रदेश में वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाना अनिवार्य किया गया है। इसके लिए प्रदेश की हाई कोर्ट ने 15 जनवरी तक का समय दिया है। इस समय सीमा में अब महज तीन दिन बचे हैं। लेकिन, अभी लाखों वाहन शेष हैं। इस तारीख तक शेष वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लग सकेंगी। इस स्थिति में प्रदेश का परिवहन विभाग हाई कोर्ट से समय सीमा बढ़ाने की अपील करने की तैयारी कर रहा है। इसी के साथ फिलहाल वाहन मालिकों को भी चालान के डर से मुक्ति मिल गई है।

मंदसौर सहित प्रदेश में वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाना अनिवार्य किया गया है। इसके लिए प्रदेश की हाई कोर्ट ने 15 जनवरी तक का समय दिया है। इस समय सीमा में अब महज तीन दिन बचे हैं। लेकिन अभी मंदसौर सहित प्रदेश में लाखों वाहन शेष हैं। इस तारीख तक शेष वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लग सकेंगी। इस स्थिति में प्रदेश का परिवहन विभाग हाई कोर्ट से समय सीमा बढ़ाने की अपील करने की तैयारी कर रहा है। इसी के साथ फिलहाल वाहन मालिकों को भी चालान के डर से मुक्ति मिल गई है।

### 20 दिन का इंतजार...

प्रदेश में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट निजी कंपनियां सप्लाई कर रहीं हैं। नंबर प्लेटों के लिए ऐसी मारामारी है कि वाहन मालिकों को 20 दिन तक का इंतजार करना पड़ रहा है। कंपनियां मांग के मुताबिक तय समय पर आपूर्ति नहीं कर पा रहीं हैं। जिन वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवानी है, उनकी संख्या जिले में हजारों में है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार प्रदेश में अभी तक केवल 12 लाख वाहनों पर ही ये नंबर प्लेट लग पाई हैं। शेष वाहन सामान्य नंबर प्लेट के साथ ही सड़कों पर दौड़ रहे हैं।

### तीन दिन बचे, पांच सौ का चालान...

हाईकोर्ट की समय सीमा में केवल 4 दिन बचे हैं जिसमें शेष वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाना संभव ही नहीं है। ऐसे में हाई कोर्ट से समय सीमा बढ़ाने की अपील करना ही एकमात्र विकल्प है। 15 जनवरी के बाद हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं पाए जाने पर वाहन मालिकों से पांच सौ रुपये का चालान काटने का प्रावधान है। समय सीमा बढ़ने की स्थिति में चालान का डर भी फिलहाल खत्म हो सकता है।

### इनका कहना...

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के लिए आवेदन करने पर अभी 20 दिन तक लग रहे हैं। इसके लिए 15 जनवरी तक की समय सीमा तय है। लेकिन, अभी केवल 12 लाख वाहनों में ही ये नंबर प्लेट लग सकी हैं।

**अरविंद सक्सेना, प्रभारी आयुक्त प्रदेश परिवहन विभाग भोपाल**

# मालगाड़ी के आगे कूदकर युवक ने की आत्महत्या

## स्ट्रेचर नही मिला, खाद के कट्टे में भरकर निजी वाहन से पीएम के लिए पहुंचाया शव

**पिपलियामंडी, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामला जांच में लिया। शव को खाद कट्टे में भरकर निजी वाहन से पीएम के लिए भिजवाया। जानकारी के अनुसार गुरुवार दोपहर शाम पौने चार बजे करीब रेलवे फाटक के आगे आउटर सिग्नल के पास नीमच की ओर जा रही एक मालगाड़ी के आगे कूदकर युवक ने जान दे दी। इंजन चालक ने सूचना पिपलिया स्टेशन मास्टर को दी। सूचना पर थाने के एसआई बापूसिंह बामनिया मौके पहुंचे। युवक की शिनाख्त रीछालालमुहा (दलौदा) राहुल (20) पिता दिनेश लखारा के रुप में हुई। युवक के मोबाइल के पीछे सुसाइट नोट भी मिला, जिसमें युवक ने जिंदगी से परेशान होकर आत्महत्या करना लिखा है। मामले की जांच कर रहे एसआई बामनिया ने बताया युवक अविवाहित है, जो रीछालालमूहा का रहने वाला है, उसके पिपलिया में भी रिश्तेदार रहते है। माता-पिता झांसी (उत्तरप्रदेश) गए हुए थे। इस दौरान युवक ने यह कदम उठाया। परिजनों को सूचना दे दी है। आत्मत्या का कारण युवक ने जिंदगी से परेशान होना बताया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

**स्ट्रेचर नही मिला, खाद कट्टे में भरकर ले गए शव:-** उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा के विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग के क्या हालात है, यह इस घटना के बाद देखने को मिला। शव को लेने के लिए एबूलेंस नही आई। युवक के शव को पीएम के लिए ले जाने के दौरान स्ट्रेचर भी नही मिल पाया, शव क्षत-विक्षत नही हुआ था, उसके बावजूद खाद के कट्टे में भरा गया। एबूलेंस नही आई तो युवक के रिश्तेदार निजी वाहन लेकर आए, जिससे शव को पीएम के लिए भिजवाया।

# खड़ावदा में ग्रामीणों की समस्याओं से रूबरू हुए कलेक्टर

**नीमच, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** जिले में आयोजित किए जा रहे राजस्व सेवा अभियान के तहत गुरूवार को 13 गांवों में विशेष राजस्व सेवा शिविर आयोजित किए गए और राजस्व अधिकारियों ने ग्रामीणों की राजस्व संबंधी समस्याओं का निराकरण किया। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने गुरूवार को मनासा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुख्यालय खडावदा में आयोजित राजस्व सेवा शिविर में उपस्थित होकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

**कलेक्टर ने किया ग्राम चौपाल पर बी-1 खसरे का वाचन:-** कलेक्टर श्री जैन ने के ग्राम खडावदा के राजस्व सेवा शिविर में पटवारी से खसरा बी-एन पंजी लेकर ग्रामीणों के समक्ष खसरा बी-1 में दर्ज खातेदारों के नाम का वाचन किया। इस दौरान मृत खातेदारों के आश्रितों के पी.एम.सम्मान निधि का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। ग्रामीणों की मांग पर रास्ता विवाद का मौके पर जाकर निराकरण करवाने के निर्देश भी तहसीलदार, पटवारी को दिए। कलेक्टर ने तहसीलदार को निर्देश दिए कि पटवारी, सचिव सभी खातेदारों से मृतक नामांतरण एवं पीएम किसान सम्मान निधि संबंधी आवेदन लेकर उनका त्वरित निराकरण कर अवगत कराये।

कलेक्टर श्री जैन ने ग्रामीणों से रूबरू होते हुए कहा कि किसान भाई प्राकृतिक खेती अपनाये, गोबर के खाद का उपयोग करें, नैनो, यूरिया को बढावा दे। कलेक्टर ने खडावदा के दिव्यांग बालक संजय पिता भंवरलाल का राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम को गांव में भेजकर उपचार की नि:शुल्क व्यवस्था करने के निर्देश भी पंचायत सचिव को दिए। कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि खडावदा में आबादी क्षेत्र घोषित करने का प्रस्ताव तैयार हो गया है। कलेक्टर श्री जैन ने पंचायत सचिव व्दारा जन्मी, मृत्यु पंजी का सही ढंग से संधारण नहीं पाये जाने पर पंचायत सचिव श्री जगदीश कछावा को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम श्री पवन बारिया, तहसीलदार मनासा, सरपंच एवं बडी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

## सत्र 2023-24 में प्रवेशित छात्राओं के लिए आवेदन सुविधा प्रारंभ

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित 'गाँव की बेटी योजना' एवं 'प्रतिभा किरण योजना' के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2023-24 में प्रवेशित छात्राओं के ऑनलाईन नवीन एवं नवीनीकरण आवेदन के लिए राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल 2.0 पर सुविधा प्रारंभ कर दी गई हैं। विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, उच्च शिक्षा श्री आर के गोस्वामी ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग से संबद्ध विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में अध्ययनरत शैक्षणिक सत्र 2023-24 में प्रवेशित समस्त पात्र छात्राएं 'गांव की बेटी योजना' एवं 'प्रतिभा किरण योजना' के अंतर्गत ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगी। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही तकनीकी एवं चिकित्सा शिक्षा के विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में अध्ययनरत शैक्षणिक सत्र 2023-24 में प्रवेशित समस्त पात्र छात्राऐं भी उक्त योजनाओं के अंतर्गत ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगी।

## स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में मंदसौर नपा को राष्ट्रीय स्तर पर 51 वा स्थान मिला

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** न.पा अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला स्वास्थ्य समिति सभापति श्रीमती दीपमाला रामेश्वर मकवाना ,सी.एम.ओ श्री सुधीर कुमार सिंह ने बताया की स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में मंदसौर नगर पालिका ने पुरे उज्जैन संभाग में नगर पालिकाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया हैं राष्ट्रीय स्तर पर मंदसौर नगर पालिका को 51वा स्थान मिला हैं पुरे देश की 446 की नगर पालिकाओं में से मंदसौर नगर पालिका को 51 वा स्थान प्राप्त हुआ हैं मंदसौर नगर पालिका को 3 स्टार प्रमाणीकरण एवं विष ++ पुन: प्राप्त हुआ हैं मंदसौर नगर पालिका मिली इस उपलब्धि पर नगर पालिका परिषद् ने नगर के नागरिकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है और आशा व्यक्त है की स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की रैंकिंग में मंदसौर नगर पालिका परिषद् और अधिक बेहतर प्रदर्शन करेगी।

# ड्रोन के इस्तेमाल से खेतों में दवा का छिड़काव करेंगे किसान-सांसद

## विकसित भारत संकल्प यात्रा में सांसद सुधीर गुप्ता सीतामऊ में शामिल हुए

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** विकसित भारत संकल्प यात्रा में सीतामऊ में सांसद श्री सुधीर गुप्ता यात्रा में शामिल हुए। यात्रा के दौरान आम जनता को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए शिविर लगाए गए। शिविर का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ प्रारंभ किया। उसके पश्चात शिविर में स्कूल के नन्ही-नहीं बालिकाओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विकसित भारत संकल्प यात्रा जिले में 26 जनवरी तक चलेगी। इस यात्रा में केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में ग्रामीण जनों को जानकारी दी जा रही है एवं हितग्राहियों को हित लाभ वितरित किया जा रहा है।

सांसद श्री गुप्ता ने कहा कि किसानों की सुविधा के लिये बनाये गये एग्री ड्रोन से किसानों के समय की बचत और उनके स्वास्थ्य की रक्षा करने के लिये एग्री ड्रोन का निर्माण किया गया है। ड्रोन के इस्तेमाल से खेतों में खाद या दवा का छिडकाव कम समय में किया जा सकेगा। साथ ही एक एकड़ फसल में खाद या अन्य कीटनाशकों का छिड़काव लगभग 15 मिनिट में किया जा सकेगा। कृषि क्षेत्र में ड्रोन के प्रयोग से रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। मध्यप्रदेश शासन के कृषि कल्याण एवं विकास विभाग द्वारा किसानों को ड्रोन क्रय करने में अनुदान दिया जायेगा। साथ ही ड्रोन ऑपरेट करने के लिये निर्माणकर्ता कंपनी के अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा में आई.ई.सी. वेन के कार्यक्रम स्थल पर माननीय प्रधानमंत्री जी का संदेश, संकल्प-वीडियो विकसित भारत का प्रदर्शन, फिल्म का प्रदर्शन, 'मेरी कहानी मेरी जुबानी' लाभार्थियों की व्यक्तिगत कहानियों का उल्लेख- अनुभव साझा किया जा रहा है।

**विकसित भारत संकल्प यात्रा आज इन गांवों में भ्रमण करेंगी-** विकसित भारत संकल्प यात्रा 12 जनवरी 2024 को यात्रा जनपद पंचायत मंदसौर के ग्राम गुलियाना, हतुनिया, बादाखेडी एवं अचेरा, जनपद पंचायत मल्हारगढ में यात्रा कलगट्टी एवं उमरिया, जनपद पंचायत गरोठ में यात्रा बंजारी, पिपल्या मिठ्ठेशा, सालरिया एवं कडावन, सुवासरा मेंनप के सामने, जनपद पंचायत सीतामऊ में लसुडिया, भगोर, आम्बा एवं अंगारी में भ्रमण करेंगी।

# राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में मंदसौर बालिका टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** स्व. श्री पहलवान गुलाबनबी खान साहब की स्मृति में सातवीं ओपन राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता 5 से 7 जनवरी तक इंदौर में आयोजित की गई, इस प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश की 13 टीमों ने क्रमश: जबलपुर, ब्रदर्स इंदौर, शहडोल, भोपाल, अटल इंदौर, नरसिंहपुर, मुरैना, बडवाह, मंदसौर आदि टीमों ने भाग लिया। मंदसौर की टीम ने पहले मैच में ब्रदर्स क्लब इंदौर को सीधे सेटों में 0-2 व दूसरे मैच में बडवाह को सीधे सेटों में 0-2 से पराजित कर ,मंदसौर की टीम सेमीफाइनल में प्रवेश किया, प्रतियोगिता के तीसरे व चौथे स्थान के लिए खेले गए मैच में मंदसौर जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन की बालिका टीम ने नरसिंहपुर को सीधे सेटों में 0-2 पराजित कर ,प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त कर टीम को तीसरे स्थान की ट्रॉफी व 5000 नगद रुपए दिया गया। मंदसौर की बालिका की टीम में दिव्यांशी गुप्ता , खुशी ग्वाला, रंजन कैथवास, चंचल सालवी, रितिका बैरागी, निशा वाघेला, हर्षिता, सलोनी, ममता, प्रार्थना वाघेला, निधि, विषिका आदि एवं कोच चयन माली थे।

मंदसौर की बालिका टीम की इस उपलब्धि पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्री अनिल जी कियावत व वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह चौहान सदस्यगण विनय दुबेला, संदीप खाबियॉ, शेर मोहम्मद खान, सज्जन श्रीमाल, त्रिभुवन कवीश्वर, अनिल पाटीदार, रउफ खान, रितेश पोरवाल, अनिल पाटीदार, मिलिंद सांखला, रंजन छाबडा, राजेंद्र सिंह, रोहित शर्मा, अभिषेक सेठिया, अक्षय नलवाया, मोहित शर्मा, शैलेंद्र मसीही, अभिषेक यादव, पंकज मालवीय, आशीष रेठा, आस्था भावसार, विनय अग्रवाल, संयम चौहान, नेहा सालवी कविता मेघवाल , नमन शर्मा, आकृति जैन, माधव जोशी, जानवी हाडा और जिला खेल एवं युवक कल्याण विभाग मंदसौर के खेल अधिकारी श्री विजेंद्र देवडा, जिला क्रीडा अधिकारी मंदसौर श्री बंसीलाल जी बोरीवाल ,पूर्व जिला क्रीड्रा अधिकारी मंदसौर श्री अशोक शर्मा, पीजी कॉलेज मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार ,पी.जी कॉलेज दलौदा के खेल अधिकारी अब्दुल रजाक, उत्कृष्टविद्यालय मंदसौर के वरिष्ठव्यायाम शिक्षक श्री महेंद्र शुक्ला , महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उ.मा.वि मंदसौर की वरिष्ठ व्यायाम शिक्षिका श्रीमती शांता व्यास, शा. लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल उ. म. विद्यालय मंदसौर के व्यायाम शिक्षक श्री रघुवीर मालवीय व जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के सचिव श्री त्रिभुवन कविश्वर ने बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की यह जानकारी जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के सचिव श्री त्रिभुवन कविश्वर व कोच अभिषेक सेठिया ने दी।

भारत का दुनिया के सबसे... पेज 1 से जारी

चीन को 62वीं रैंकिंग मिली है और उसके साथ पपुआ न्यू गिनी भी इसी पायदान पर है। 104 देशों की सूची में अंतिम स्थान पर अफगानिस्तान है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की 2024 की रैंकिंग के अनुसार पहले पायदान पर फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, सिंगापुर और स्पेन हैं। दूसरे स्थान पर फिनलैंड, दक्षिण कोरिया और स्वीडन हैं। इन तीन देशों के पासपोर्ट धारकों को 193 स्थानों पर वीजा फ्री एंट्री मिलती है। तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, आयरलैंड और नीदरलैंड हैं। चौथा स्थान पांच देश मिलकर साझा कर रहे हैं। इनमें बेल्जियम, लक्समबर्ग, नॉर्वे, पुर्तगाल और ब्रिटेन का नाम शामिल है। पांचवें स्थान में ग्रीस, माल्टा और स्विटजरलैंड हैं। ताकतवर पासपोर्ट्स के लिहाज से 2024 यूरोपीय देशों के लिए खुशखबरी लेकर आया है। कहा जाता है कि सूची में पहले स्थान के लिए जापान और सिंगापुर के बीच जंग छिड़ी रहती है। लेकिन, इस बार कई यूरोपीय देशों ने छलांग लगाने में सफलता हासिल की है। पहले स्थान पर दो एशियाई देशों के साथ चार यूरोपीय देश शामिल हैं।

## बैडमिंटन स्पर्धा हेतु अंगद मुछाल चयनित

**नीमच, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** राज्य एवं राष्ट्रीय बैडमिंटन स्पर्धाओ में अपनी श्रेष्ठखेल प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले शहर के प्रतिभाशाली राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाडी अंगद मुछाल 27 जनवरी से चेन्नई में खेली जाने वाली 'खेलों इण्डिया खेलों' बैडमिंटन स्पर्धा हेतु चयनित हुए हैं। अंगद ने उक्त राष्ट्रीय स्पर्धा में चयनित हो कर शहर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। ज्ञात रहे उक्त राष्ट्रीय स्पर्धा में भाग लेने वाले अंगद शहर के पहले खिलाडी हैं। अंगद के उक्त स्पर्धा हेतु चयनित होने पर श्री दीपक श्रीवास्तव सचिव एनडीबीए ने अत्यंत हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि अंगद ने वर्ष 2023 में राष्ट्रीय रैंकिंग बैडमिंटन स्पर्धाओ तथा खासकर '35 वी राष्ट्रीय जूनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप हैदराबाद' में अंडर 17 बालक युगल वर्ग में क्वार्टर फाइनल खेलकर अपनी श्रेष्ठखेल प्रतिभा का परिचय दिया। करंट राष्ट्रीय वरीयता क्रम सूची में 5 वे स्थान प्राप्त करने वाले अंगद ने म.प्र राज्य स्तरीय बैडमिंटन स्पर्धाओ में भी अंडर 17 बालक युगल वर्ग में राज्य विजेता का खिताब जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। अंगद उक्त स्पर्धा में भाग लेने हेतु 25 जनवरी को चेन्नई के लिए प्रस्थान करेंगे।

## फरार वारंटी धराया

**पिपलियामंडी, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** फरार स्थाई वारंटी को पुलिस ने पकडा। 2020 में धारा 365, 323, 341 व 25 आर्म्स एक्ट का आरोपी चन्दवासा निवासी रामकिशन पिता अमृतराम बावरी चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश मंदसौर के प्रकरण में फरार था। न्यायालय ने आरोपी के खिलाफ स्थाई वारंट जारी किया था। इसे मल्हारगढ पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया।

## पहली बार जनवरी में बिक... पेज 1 से जारी

थोक पटाखा बाजार में पटाखों की बिक्री देखी गई है। हर रोज लाखो रुपए के पटाखे बिक रहे हैं। आने वाले दिनों में ग्राहकी और बढ़ने की उम्मीद है। रोजाना एक दर्जन से अधिक ग्राहक होलसेल पटाखा वालों के पास पहुंच रहे हैं। जो 2500 से 3500 की आतिशबाजी खरीद रहे हैं। सबसे ज्यादा आसमानी आतिशबाजी बिक रही है। बहुरंगी और भगवा रंग बिखेरने वाले पटाखे ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। इसके अलावा 12 शाट, पाइप, मल्टी कलर शॉट वाले आइटम, लड़ बिक रही है।

## शवयात्रा

मेरे पूज्य पिताजी एवं स्व. नारायणलालजी मंगल के सुपुत्र व स्व. रमेशचंद्रजी, स्व. महेशचंद्रजी मंगल के छोटे भाई संजय, राजेश एवं अमित की चाचाजी श्री राधेश्यामजी मंगल का स्वर्गवास दिनांक 11 जनवरी 2024 को हो गया जिनकी शवयात्रा शुक्रवार दिनांक 12 जनवरी 2024 को प्रात: 9.30 बजे निज आवास नारायण निवास दशपुर कुंज के पास मंदसौर से शव वाहन से निकलेगी।

**शोकाकुल**
**दीपक मंगल एवम मंगल परिवार**
**फर्म- रमेशचंद्र महेशचंद्र अग्रवाल, मंदसौर**

# राजस्व महाअभियान 15 जनवरी से 29 फरवरी तक

## अभियान में की जाने वाली गतिविधियों के संबंध में कलेक्टर्स को निर्देश जारी

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेख में इन्द्राज त्रुटियों को ठीक करने के उद्देश्य से प्रदेश में राजस्व महाअभियान संचालित किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दिये निर्देशों के अनुसार राजस्व महाअभियान 15 जनवरी से प्रारंभ होकर 29 फरवरी, 2024 तक संचालित किया जायेगा। अभियान की गतिविधियों के संबंध में समस्त कलेक्टर्स को निर्देश जारी कर दिये गये हैं। प्रमुख सचिव राजस्व श्री निकुंज श्रीवास्तव ने बताया कि महाअभियान का उद्देश्य राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण, नये राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पर दर्ज कराना, नक्शे पर तरमीम, पीएम किसान का सेचुरेशन एवं समग्र का आधार से ई-केवाईसी और खसरे की समग्र आधार से लिंकिंग सहित आमजन की राजस्व से संबंधित समस्याओं का निराकरण करना है। प्रमुख सचिव श्री श्रीवास्तव ने बताया कि महाअभियान में आयोजित की जाने वाली गतिविधियों में राजस्व रिकॉर्ड का वाचन, समग्र ई-केवाईसी और समग्र से खसरे की लिंकिंग, आरसीएमएस पर प्रकरण दर्ज कराना, आरसीएमएस पर लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण, उत्तराधिकार नामांकन, सीमांकन, नक्शे में तरमीम किया जाना शामिल है।

राजस्व महाअभियान में राजस्व रिकॉर्ड के वाचन के लिये पटवारी पूर्व निर्धारित समय-सारणी के अनुसार गाँव में खसरा, बी-1 का वाचन करेंगे। समग्र ई-केवाईसी और समग्र से खसरे की लिंकिंग के लिये समग्र वेब पोर्टल एमपी ऑनलाइन/सीएसई के कियोस्क के माध्यम से समग्र में आधार की ई-केवाईसी कराने की सुविधा नागरिकों को नि:शुल्क उपलब्ध रहेगी। आरसीएमएस पर प्रकरण दर्ज कराने की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये लोकसेवा केन्द्र के अतिरिक्त अब एमपी ऑनलाइन और सीएसई के कियोस्क के माध्यम से भी आरसीएमएस पर प्रकरण दर्ज कराये जा सकेंगे। राजस्व अधिकारियों द्वारा 31 दिसम्बर, 2023 की स्थिति में समय-सीमा पार कर चुके लंबित प्रकरणों को चिन्हांकित किया जायेगा और न्यायालय में नियमित सुनवाई आयोजित कर नामांतरण, बँटवारा, अभिलेख दुरुस्ती के प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा। उत्तराधिकार नामांतरण में स्पष्ट किया गया है कि रिकॉर्ड में दर्ज ऐसे भू-स्वामी, जिनकी मृत्यु काफी समय पहले हो चुकी है, परंतु उनके उत्तराधिकारियों के पक्ष में नामांतरण का प्रकरण दर्ज नहीं हुआ है, महाअभियान में उत्तराधिकार नामांतरण के प्रकरणों को दर्ज कर निराकरण किया जायेगा। चिन्हित प्रकरणों की सीमांकन करने की कार्यवाही महाअभियान में की जायेगी। महाअभियान के दौरान की जाने वाली गतिविधियों की जिला स्तर पर रोजाना समीक्षा होगी। महाअभियान के समन्वय के लिये अपर संचालक मध्यप्रदेश भू-अभिलेख प्रबंधन समिति श्रीमती नमिता खरे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

# नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा

**मंदसौर, 11 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।** विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट मंदसौर द्वारा आरोपी विशाल पिता मुकंदलाल सौलंकी, उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम रठाना जिला मंदसौर को नाबालिग को बहला फूसला कर ले जाकर दुष्कर्म करने के आरोप में 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं अर्थदण्ड से दण्डित किया।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा द्वारा यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त 2022 को फरियादी ने अपनी नाबालिग लडकी आयु 12 वर्ष को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फूसला कर ले जाने के संबंध में थाना अफजलपुर पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी उक्त रिपोर्ट पर से थाने पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा 363 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। अपराध की विवेचना के दौरान 08 नवंबर 2022 को सायला सर्कल, सायला थाना जिला सुरेंद्र नगर गुजरात से आरोपी विशाल पिता मुकंदलाल सौलंकी उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम रठाना, थाना-अफजलपुर के कब्जे से पीडिता को बरामद किया गया।

पीड़िता से पुछताछ करने पर उसके बताया कि मेरे माता-पिता की अनुपस्थिति में उसके घर आकर आरोपी उसके साथ जबरदस्ती गलत काम किया था एवं 06.08.2022 को मैं जब घर पर अकेली थी तब आरोपी बहला फूसला कर मोटरसाईकिल पर बिठाकर उसके गांव रठाना ले गया और वहां पर उसके साथ जबरदस्ती गलत काम किया, फिर वहां से उसकों गुजरात ले गया। पुलिस द्वारा सम्पूर्ण कार्यवाही कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। विचारण के दौरान प्रकरण में न्यायालय के समक्ष अभियोजन अधिकारी द्वारा रखे गये तथ्यो व तर्को से सहमत होकर साक्ष्य के आधार पर न्यायालय द्वारा आरोपी विशाल को दोषसिद्ध किया। प्रकरण में अभियोजन का संचालन विशेष लोक अभियोजक श्रीमती दीप्ति कनासे द्वारा किया गया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in